मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 191
शनिवार, 24 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

तमिलनाडु बदलाव के लिए तैयार है और डीएमके के कुशासन से खुद को मुक्त करना चाहता है: पीएम मोदी

तमिलनाडु, 23 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मदुरंथकम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तमिलनाडु में एनडीए के चुनावी अभियान की शुरूआत की। पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की और याद दिलाया कि तमिलनाडु के कई लोगों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके साथ लड़ाई लड़ी थी। पीएम मोदी ने कहा कि रैली में भारी भीड़ ने पूरे देश को एक सशक्त संदेश दिया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि तमिलनाडु बदलाव के लिए तैयार है और डीएमके के कुशासन से खुद को मुक्त करना चाहता है। उन्होंने दावा किया कि एनडीए के सभी सहयोगी राज्य को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के दृढ़ संकल्प के साथ एकजुट हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि डीएमके के पतन की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनडीए तमिलनाडु में विकास का एक नया अध्याय लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु अब डीएमके के कुशासन से मुक्ति चाहता है। तमिलनाडु अब भाजपा-एनडीए सरकार चाहता है... हमें तमिलनाडु को डीएमके सरकार से मुक्त करना होगा। हमें तमिलनाडु को एक विकसित, सुरक्षित और भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाना होगा। मैं स्पष्ट रूप से देख सकता हूं कि डीएमके सरकार के पतन की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्टालिन के नेतृत्व वाली पार्टी दो बार बहुमत वाली सरकार बनाने के बावजूद अपने वादों को पूरा करने में विफल रही। उन्होंने डीएमके को सीएमसी सरकार करार दिया, जो भ्रष्टाचार, माफिया और अपराध को ॰बढ़ावा॰ देती है। उन्होंने कहा कि आपने डीएमके को दो बार पूर्ण बहुमत दिया, लेकिन उन्होंने तमिलनाडु की जनता का विश्वास तोड़ा। डीएमके ने ढेरों वादे किए, लेकिन कोई काम नहीं किया। लोग अब डीएमके सरकार को सीएमसी सरकार कह रहे हैं। सीएमसी सरकार का मतलब है 'भ्रष्टाचार, माफिया और अपराध' को बढ़ावा देने वाली सरकार। तमिलनाडु की जनता ने अब डीएमके और सीएमसी दोनों को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है। यहां भाजपा-एनडीए की दोहरी इंजन सरकार का सत्ता में आना तय है।

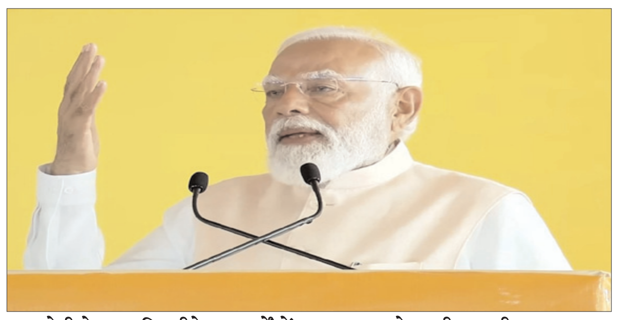

मोदी ने कहा कि बीते 11 वर्षों में एनडीए की केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य किया है। 2014 से पहले जब दिल्ली में डीएमके और कांग्रेस की गठबंधन वाली सरकार थी, उस दौरान तमिलनाडु के विकास के लिए बहुत कम फंड दिया जाता था। बीते 11 वर्षों में केंद्र की एनडीए सरकार ने सिर्फ devolution के माध्यम से करीब-करीब 3 लाख करोड़ रुपए तमिलनाडु को दिए हैं। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में तमिलनाडु के लोगों के वेलफेयर के लिए केंद्र से करोड़ों रुपए की मदद मिली है।

वरना, कांग्रेस-डीएमके गठबंधन के राज में तो गरीब, एससी-एसटी, ओबीसी के वेलफेयर के नाम पर सिर्फ घोटाले ही होते थे।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर के पार, आरबीआई के आंकड़ों में बड़ी बढ़त

नई दिल्ली, 23 जनवरी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर मजबूत उछाल दर्ज किया गया है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 16 जनवरी 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का फॉरेक्स रिजर्व बढ़कर 701.36 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह पिछले सप्ताह की तुलना में 14.17 अरब डॉलर की बड़ी बढ़ोतरी है। इससे पहले 9 जनवरी को खत्म हुए सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 687.19 अरब डॉलर था।

अर्थशास्त्रियों और बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि फॉरेक्स रिजर्व में यह बढ़त न सिर्फ रुपये को मजबूती देती है, बल्कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत की बाहरी स्थिति को भी सुरक्षित बनाती है। आरबीआई के

आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी मुद्रा संपत्तियों यानी FCA का होता है। इस सप्ताह FCA बढ़कर 560.52 अरब डॉलर हो गया, जो एक ही हफ्ते में 9.65 अरब डॉलर की वृद्धि को दशार्ता है। FCA में अमेरिकी डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और जापानी येन जैसी अन्य विदेशी मुद्राओं में रखी गई संपत्तियां भी शामिल होती हैं, जिनकी कीमतों में बदलाव का असर कुल रिजर्व पर पड़ता है। इस अवधि में भारत के गोल्ड रिजर्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली। सोने का भंडार 4.62 अरब डॉलर बढ़कर 117.45 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे साफ संकेत मिलता है कि भारत अपने रिजर्व पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी बढ़ाकर जोखिम को संतुलित करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

भारत को 2047 तक विकसित बनाने की यात्रा एक 'समुद्री सफर': नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 23 जनवरी। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने ह्यविकसित भारत 2047' की तुलना एक समुद्री यात्रा से करते हुए शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि भारत समेत दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं व्यापार और विकास के लिए महासागरों पर काफी हद तक निर्भर हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि दुनिया का 90 प्रतिशत निर्यात-आयात (एक्सिम) व्यापार समुद्र के रास्ते होता है और भारत का 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को 2047 तक प्राप्त करने के लिए महासागर प्राथमिक माध्यम बन जाते हैं।

उन्होंने सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड' (सीसीएल) के दरभंगा हाउस' सम्मेलन कक्ष में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, विकसित भारत 2047 अब केवल एक नीति नहीं रहा, यह अब एक वास्तविकता बन गया है और यह लक्ष्य हासिल करने के लिए स्पष्ट पड़ाव तय किए गए हैं। जैसा कि हम जानते हैं, हमारा 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है और दुनिया का भी करीब 90 प्रतिशत व्यापार इन्हीं पर निर्भर है। हम भौगोलिक रूप से भाग्यशाली हैं कि हमारा देश तीन तरफ से महासागरों से घिरा है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन्हें हर प्रकार की बाधा से मुक्त रखें।"

उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाली शक्ति है और आज दुनिया इसे इसी रूप में पहचान रही है। नौसेना प्रमुख ने कहा, नीली अर्थव्यवस्था का हमारी

अर्थव्यवस्था में योगदान अभी सिर्फ चार प्रतिशत है जो बहुत कम है और विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप इसे दहाई अंकों तक बढ़ाया जाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि हमारी ऊर्जा जरूरतों का 88 प्रतिशत समुद्र के रास्ते आता है और यदि कच्चे तेल की कीमत प्रति मीट्रिक टन एक अमेरिकी डॉलर बढ़ती है तो भारत को अतिरिक्त 10,000 करोड़ रुपये चुकाने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह का असर समुद्री क्षेत्र सुरक्षा को इतना महत्वपूर्ण बनाता है।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, जब म्यांमा में भूकंप आया, तो हम 500 टन राहत सामग्री लेकर सबसे पहले वहां पहुंचे और इसी तरह श्रीलंका में हमने 1,000 टन राहत सामग्री पहुंचाई।" उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना की मुख्य भूमिका युद्धक कार्रवाई है, लेकिन उस स्थिति तक पहुंचने से पूर्व प्रतिरोधक क्षमता सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि समुद्री मार्गों में छोटा-सा व्यवधान भी बड़ा असर डाल सकता है।

अमित शाह ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 23 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि प्रत्येक युवा को उनकी वीरता की गाथाओं के बारे में पढ़ना चाहिए और राष्ट्र की रक्षा करने के अपने संकल्प को मजबूत करना चाहिए।

शाह ने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर कहा कि बोस का नाम हमारे दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाता है। उन्होंने कहा कि बोस ने युवाओं को संगठित किया और आजाद हिंद फौज के माध्यम से पहला सैन्य अभियान शुरू किया तथा 1943 में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तिरंगा फहराकर एक स्वतंत्र भारत की घोषणा की।

शाह ने कहा कि प्रत्येक युवा को

नेताजी के जीवन और उनकी वीरता की कहानियों के बारे में पढ़ना चाहिए और राष्ट्र की रक्षा करने के अपने संकल्प को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा, देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ समर्पित करने वाले नेताजी की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत माता के महान सपूत बोस की स्मृति में पूरा भारत शुक्रवार को पराक्रम दिवस मना रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बोस ने जर्मनी से रूस और जापान तक हजारों किलोमीटर की यात्रा की, इस दौरान उन्होंने कई कठिनाइयों और संघर्षों का सामना किया। उन्होंने कहा कि यह भारत को मुक्त कराने के उनके अटूट संकल्प को दशार्ता है।

शाह ने कहा कि उनके बलिदान और महान व्यक्तित्व से आने वाली पीढ़ियां राष्ट्र की स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और संप्रभुता के संघर्ष के लिए खुद को समर्पित करने के वास्ते प्रेरित होती रहेंगी।

पाकिस्तानी आतंकी उस्मान एम 4 राइफल के साथ ढेर

कठुआ। शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़ा एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन तुती ने बताया कि मुठभेड़ बिलावर इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों ने आतंकवादी को मार गिराने के लिए संयुक्त अभियान चलाया था। जम्मू पुलिस ने पर पोस्ट किया, ॰बिलावर इलाके में सेना और सीआरपीएफ के साथ संयुक्त अभियान में जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक छोटी टीम ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि मारे गए आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर उस्मान के रूप में हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि उसके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

ममता बनर्जी का सनसनीखेज दावा, बंगाल में एसआईआर के डर से रोज हो रही हैं 3-4 आत्महत्याएं

कोलकता, 23 जनवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य में चल रही मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर व्याप्त चिंता के कारण प्रतिदिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर कोलकाता के रेड रोड स्थित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इन मौतों की जिम्मेदारी चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की होनी चाहिए। ममता बनर्जी ने कहा कि 110 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि 110 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है; एसआईआर की चिंता के कारण प्रतिदिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) की प्रक्रिया चल रही है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने भाजपा पर बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया और दावा किया कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, बोस और बी आर अंबेडकर जैसे देश के महान व्यक्तित्वों का अपमान किया जा रहा है। इस सप्ताह की शुरूआत में, उन्होंने दावा किया कि राज्य में एसआईआर अभ्यास को लेकर तनाव और दहशत के कारण अब तक कम से कम 110 लोगों की मौत हो चुकी है।

शादी से मना करने पर प्रेमी की हत्या की, आरोपी महिला गिरफ्तार

बिजनौर। बिजनौर जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र में कथित तौर पर लिव इन रिलेशनशिप (बिना शादी किए साथ रहना) में रह रही महिला ने शादी से इनकार करने पर अपने प्रेमी की हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चांदपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) देशदीपक ने बताया कि थाना चांदपुर क्षेत्र में नगर पालिका के पास किराए के मकान में हरिओम (25) अपनी प्रेमिका शीतल के साथ रहता था। उन्होंने बताया कि हरिओम फाइनेंस कंपनी में काम करता था जबकि शीतल नूरपुर में एक अस्पताल में काम करती थी।

विश्व शिक्षा दिवस: 24 जनवरी 2026

शिक्षा रोजगार का टिकट नहीं, जीवन का दर्शन बने

-ललित गर्ग

विश्व शिक्षा दिवस कोरा उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, यह सोचने का क्षण कि शिक्षा क्या है, किसके लिए है और किस दिशा में समाज को ले जा रही है। भारत इस संदर्भ में केवल एक देश नहीं, बल्कि एक जीवित सभ्यता है, जिसने शिक्षा को कभी भी मात्र रोजगार या सूचना का साधन नहीं माना, बल्कि जीवन-निर्माण, चरित्र-गठन और आत्मबोध की प्रक्रिया के रूप में जिया है। आज जब दुनिया ज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अभूतपूर्व दौर में खड़ी है, तब भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा और उसके शैक्षिक सूत्र वैश्विक नेतृत्व का आधार बन सकते हैं। इस वर्ष की थीम शिक्षा के सह-निर्माण में युवाओं की शक्ति है, जो शांति और विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर केंद्रित है, यह दिन शिक्षा को एक मौलिक अधिकार और भविष्य की पूंजी के रूप में रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है, ताकि गरीबी मिटाई जा सके, लैंगिक समानता लाई जा सके और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिसकी आवश्यकता इसलिए भी है क्योंकि लाखों बच्चे एवं युवा शिक्षा से वंचित हैं और यह दिन युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस, शांति और विकास के लिए शिक्षा की भूमिका का जश्न मनाता है। यह शिक्षा को एक मौलिक मानवाधिकार, सार्वजनिक हित और जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करता है। यह दिन गरीबी के चक्र को तोड़ने और लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देता है। यह दिन शिक्षा को भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी मानता है, जो समाज को अंधकार से बाहर निकाल सकती है और भविष्य के निमार्ताओं को तैयार कर सकती है। भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा का मूल मंत्र था-सा विद्या या विमुक्तये, अर्थात वही विद्या है जो मुक्त करे। गुरुकुलों में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी; वह आचरण, अनुशासन, प्रकृति के साथ सामंजस्य, गुरु-शिष्य संवाद और जीवनोपयोगी कौशल का समन्वय थी। गुरु केवल विषय का अध्यापक नहीं, बल्कि जीवन-द्रष्टा होता था और शिष्य केवल परीक्षा-उत्तीर्ण करने वाला विद्यार्थी नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक। आश्रम-व्यवस्था में रहकर विद्यार्थी सेवा, श्रम, ध्यान, तर्क और प्रयोग-इन सबके माध्यम से समग्र व्यक्तित्व का विकास करता था। यह शिक्षा आत्मनिर्भरता सिखाती थी, प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि सह-अस्तित्व का बोध कराती थी और ज्ञान को जीवन से जोड़ती थी।

औपनिवेशिक काल में यह समग्र शिक्षा व्यवस्था व्यवस्थित रूप से ध्वस्त की गई। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति का उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित बनाना नहीं, बल्कि प्रशासन के लिए क्लर्क तैयार करना था-ऐसे लोग जो सोच में अंग्रेज हों, रंग में भारतीय। इस पद्धति ने शिक्षा को जीवन से अलग कर दिया, भाषा को जड़ों से काट दिया और ज्ञान को रटंत, अंक-केंद्रित और नौकरी-उन्मुख बना दिया। आजादी के बाद भी दुर्भाग्यवश, भारत लंबे समय तक उसी ढांचे में फंसा रहा। विद्यालय और विश्वविद्यालय बढ़े, लेकिन शिक्षा की आत्मा कमजोर होती चली गई। डिग्रियों की संख्या बढ़ी, पर कौशल, नैतिकता और नवाचार का संकट गहराता गया। स्वतंत्र भारत की शिक्षा प्रणाली ने कुछ सकारात्मक प्रयास अवश्य किए-सार्वजनिक विश्वविद्यालय, वैज्ञानिक संस्थान, तकनीकी शिक्षा लेकिन व्यापक स्तर पर शिक्षा समाज की आवश्यकताओं से कटती गई। पाठ्यक्रम बोझिल होते गए, परीक्षाएं स्मृति-आधारित बनती गईं और शिक्षक-छात्र संवाद औपचारिकता में सिमट गया। शिक्षा रोजगार का टिकट बन गई, जीवन का दर्शन नहीं। यही कारण है कि आज शिक्षित युवा भी दिशाहीनता, बेरोजगारी और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आती है। यह नीति केवल संरचनात्मक सुधार नहीं, बल्कि वैचारिक बदलाव का संकेत देती है। इसमें भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने, बहु-विषयक अध्ययन, रटंत विद्या से मुक्ति, कौशल विकास, अनुसंधान, नवाचार और नैतिक शिक्षा पर बल दिया गया है। यह नीति स्पष्ट रूप से मैकाले की शिक्षा पद्धति से बाहर निकलने की दिशा में कदम है-जहां शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सक्षम, सृजनशील और संवेदनशील मानव का निर्माण है।

नई शिक्षा नीति में कौशल विकास, अनुभवात्मक अधिगम, खेल, कला और व्यावसायिक शिक्षा को महत्व देना, उच्च शिक्षा में विषयों की कठोर सीमाओं को तोड़ना-ये सभी कदम गुरुकुल परंपरा की आधुनिक पुनर्व्याख्या जैसे हैं। मातृभाषा में शिक्षा का आग्रह न केवल संज्ञानात्मक विकास को सुदृढ़ करता है, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास भी लौटाता है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा-योग, आयुर्वेद, दर्शन, गणित, खगोल को वैश्विक संदर्भ में पुनर्स्थापित करने का अवसर देती है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि नीति और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बड़ी चुनौती है। व्यापक परिवर्तन की अपेक्षाएं अभी अधूरी हैं। शिक्षा को वास्तव में कौशल विकास का केंद्र बनाना होगाजहां विद्यार्थी केवल पढ़े नहीं, बल्कि कर सकें, सोच सकें, समस्या सुलझा सकें। पाठ्यपुस्तकों और रटंत विद्या से हटकर शिक्षा को जीवन-विकास का आधार बनाना होगा। शिक्षक को फिर से गुरु की भूमिका में लाना होगा-मार्गदर्शक, प्रेरक और सहयात्री के रूप में। तकनीकी विकास, नवाचार और एआई के युग में भारतीय शिक्षा पद्धति के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर, उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनना है-डिजिटल साक्षरता, डेटा, विज्ञान और तकनीक में अग्रणी होना है। दूसरी ओर, उसे मानवीय मूल्यों, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी सुरक्षित रखना है। यदि शिक्षा केवल तकनीक सिखाएगी और विवेक नहीं, तो वह विनाश का उपकरण बन सकती है। भारत की शक्ति यही है कि वह विज्ञान और अध्यात्म, तकनीक और तत्त्वज्ञान, नवाचार और नैतिकता-इन सबका संतुलन सिखा सकता है। भारतीय शिक्षा पद्धति में वह सामर्थ्य है कि वह दुनिया को एक नया दर्शन और नया शिक्षा-सूत्र दे सके, जहां शिक्षा उपभोग नहीं, साधना हो; जहां ज्ञान सत्ता नहीं, सेवा बने; जहां प्रतिस्पर्धा के साथ सह-अस्तित्व भी हो। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना आज वैश्विक शिक्षा का सबसे प्रासंगिक मंत्र बन सकती है। इक्कीसवीं सदी का मानव और मानव समाज केवल तकनीकी दक्षता या आर्थिक प्रगति से पूर्ण नहीं हो सकता। उसकी संरचना तब तक अधूरी रहेगी, जब तक शिक्षा परिपक्व, समग्र और मूल्यनिष्ठ न हो। आज दुनिया को ऐसे अभिनव मानव की आवश्यकता है जो आध्यात्मिक चेतना से संपन्न हो और वैज्ञानिक दृष्टि से सक्षम भी। शिक्षा का स्वरूप ऐसा हो, जिसमें ज्ञान केवल सूचना न बने, बल्कि विवेक, संवेदना और उत्तरदायित्व का विस्तार करे। मूल्यप्रधानित शिक्षा व्यक्ति को मानवीय बनाती है और योग शिक्षा उसे आत्म-संयम, संतुलन तथा अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इन दोनों का समन्वय ही ऐसी शिक्षा को जन्म दे सकता है, जो व्यक्ति को आत्मकेंद्रित नहीं, बल्कि विश्वकल्याण की दिशा में उन्मुख करे। भारत के अनेक आध्यात्मिक संत महापुरुषों ने शिक्षा को समग्रता देने के लिये इस विषय पर गंभीर चिन्तन-मंथन किया।

महान दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने जीवन विज्ञान के रूप में एक समग्र चिन्तन एवं योजना शिक्षा को परिपूर्णता देने के लिये प्रस्तुत की है। उनके अनुसार मानवता का भविष्य श्रम, अर्थ और संयम-इन तीनों के सामंजस्यपूर्ण विकास पर निर्भर है। श्रम और अर्थ जीवन के मौलिक एवं व्यावहारिक पक्ष हैं, जो समाज की गतिशीलता और आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करते हैं; वहीं संयम जीवन का आध्यात्मिक पक्ष है, जो भोग की अंधी दौड़ को रोककर संतुलन और शांति की स्थापना करता है। यदि शिक्षा अथवा प्रशिक्षण इन तीनों आधारों पर निर्मित नहीं होता, तो जीवन की समग्रता केवल एक कल्पना बनकर रह जाती है। अतः शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार सृजन नहीं, बल्कि ऐसे मनुष्य का निर्माण होना चाहिए जो श्रमशील हो, अर्थसचेत हो और संयमशील भी-यही समग्र शिक्षा, समग्र मानव और समग्र समाज की आधारशिला है। जरूरत है यदि भारत अपनी प्राचीन गुरुकुल परंपरा की आत्मा को आधुनिक संदर्भ में पुनर्जीवित कर सके, नई शिक्षा नीति को जमीनी सच्चाई में बदल सके और शिक्षा को जीवन, समाज और प्रकृति से जोड़ सके, तो वह निश्चय ही विश्व का मार्गदर्शन करने में सक्षम होगा। यह केवल भारत की आवश्यकता नहीं, बल्कि मानवता की आवश्यकता है। विश्व शिक्षा दिवस पर भारत का आह्वान यही हो सकता है कि शिक्षा मनुष्य को मशीन नहीं, मानव बनाए; उसे केवल कुशल नहीं, संवेदनशील बनाए; और उसे केवल वर्तमान के लिए नहीं, भविष्य के लिए तैयार करे।

सशक्त बालिका, समर्थ राष्ट्र: विकास की नई उड़ान

-सुनील कुमार महला

हर साल 24 जनवरी को भारत में राष्ट्रीय बालिका दिवस(नेशनल गर्ल चाइल्ड डे) मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसरों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिन समाज में लड़कियों के प्रति भेदभाव को मिटाने(समाज से लैंगिक भेदभाव को खत्म करने),बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं और कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने और उन्हें समाज में समान अधिकार दिलाने के लिए समर्पित है। कहना गलत नहीं होगा कि लड़कियों को समान अवसर देकर ही समृद्ध, सुरक्षित और समतावादी समाज बनाया जा सकता है। वास्तव में,यह दिन हमें याद दिलाता है कि आज की बालिका ही देश का उज्जवल भविष्य है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह दिन 24 जनवरी को इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1966 में इंदिरा गांधी ने भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। यह महिलाओं की शक्ति और नेतृत्व का प्रतीक है। वास्तव में इस दिवस को मनाने की शुरूआत सबसे पहले वर्ष 2008 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा की गई थी।हरियाणा के एक छोटे से गांव बीबीपुर (जींद जिला) से शुरू हुआ यह अभियान(सेल्फी विद डॉटर) अब राष्ट्रीय बालिका दिवस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2025 की थीम 'एमपावरिंग गर्ल्स फोर आ ब्राइट फ्यूचर ' यानी कि 'उज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना' रखी गई थी। इसमें लड़कियों के कौशल विकास और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया गया था। इस साल यानी कि वर्ष 2026 के लिए संभवतः केंद्र और राज्य सरकारें बालिकाओं की शिक्षा, कौशल, सुरक्षा, बालिकाओं का डिजिटल सशक्तीकरण और नेतृत्व क्षमता को मजबूत बनाना जैसे संदेश पर फोकस करेंगी, ताकि हर लड़की को अपने सपनों को साकार करने का मौका मिल सके। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन का 'लापता महिलाएं' (मिसिंग विमेन) का सिद्धांत राष्ट्रीय बालिका दिवस की मूल भावना से गहराई से जुड़ा हुआ है। दरअसल, अमर्त्य सेन ने 1990 में एक चौंकाने वाला आंकड़ा दिया कि दुनिया में लगभग 10 करोड़ (100 मिलियन) महिलाएं 'लापता' हैं।इसका असली मतलब यह है कि अगर समाज में स्त्री और पुरुष को समान स्वास्थ्य, पोषण और अवसर मिलते, तो महिलाओं की संख्या आज की तुलना में 10 करोड़ ज्यादा होती। दूसरे शब्दों में कहें तो अमर्त्य सेन का 'लापता महिलाएं' सिद्धांत सीधे तौर पर उन सामाजिक बुराइयों की ओर इशारा करता है, जिन्हें खत्म करने के लिए राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। सेन के अनुसार, समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और पोषण में कमी के कारण करोड़ों लड़कियां जन्म ही नहीं ले पातीं या समय से पहले मृत्यु का शिकार हो जाती हैं, जिससे जनसंख्या के आंकड़ों में उनकी संख्या पुरुषों के मुकाबले काफी कम हो जाती है। राष्ट्रीय बालिका दिवस इसी 'लापता' होने की प्रक्रिया को रोकने का एक बड़ा संकल्प है, जिसका उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को समाप्त करना, लड़कियों की शिक्षा सुनिश्चित करना और उनके प्रति समाज की मानसिकता को बदलना है ताकि भविष्य में कोई भी बालिका संसाधनों के अभाव या भेदभाव के कारण समाज के नक्शे से ओझल न हो। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्ष 2025 का समारोह 22 जनवरी से 8 मार्च 2025 तक चलाया गया था, जिसका समापन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यानी कि 8 मार्च 2025 को हुआ। पिछले ही साल सुकन्या समृद्धि योजना की भी दसवीं वर्षगांठ मनाई गई थी। गौरतलब है कि यह योजना केंद्र सरकार की ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्न पहल के तहत शुरू की गई एक प्रमुख छोटी बचत योजना है, जो बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य, शिक्षा और विवाह के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। आज भारत सरकार और राज्य सरकारें बेटियों और महिलाओं के सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएँ चला रही हैं। इनमें क्रमशः बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ(लड़कियों के जन्म पर सकारात्मक सोच, बचपन में स्वास्थ्य सुरक्षा और शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए), सुकन्या समृद्धि योजना(बचत योजना), सबला/किशोरी शक्ति योजना (किशोरियों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, जीवन कौशल और कौशल प्रशिक्षण को सशक्त बनाने के लिए), प्रगति-तकनीकी शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति (एआईसीटीई-स्कीम),उड़ान योजना (सीबीएसई का मेरिट-आधारित सहायता प्रोग्राम) आदि प्रमुख हैं। इसके अलावा,ग्रामीण व महिला समुदायों में जागरूकता, प्रशिक्षण और रोजगार-समर्थन के लिए महिला शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं। केंद्र सरकार ही नहीं देश के विभिन्न राज्यों में आज बालिकाओं/महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रहीं हैं। इनमें क्रमशः पश्चिम बंगाल में कन्याश्री प्राकल्प (यह योजना 13-18 वर्ष की लड़कियों को शिक्षा जारी रखने और विवाह रोकने के लिए वार्षिक छात्रवृत्ति और एक-बार की आर्थिक सहायता प्रदान करती है),मध्य प्रदेश सहित कई राज्य लाडली लक्ष्मी योजना चला रहे हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि यह योजना जन्म से लेकर 21 वर्ष की उम्र तक लड़कियों के लिए जमा/वित्तीय सहायता प्रदान करती है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा को लक्ष्य बनाती है। ओडिशा में खुशी योजना एक अन्य योजना है,जो स्कूल-जाने वाली लड़कियों को निशुल्क सैनिटरी पैड प्रदान कर स्वास्थ्य और स्वच्छता सुनिश्चित करती है।इसके अलावा ओडिशा में ही सबद्रा योजना भी चलाई जा रही है,जो 21-60 वर्ष की महिलाओं को प्रतिवर्ष वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली बड़ी महिला-केंद्रित योजना है। वास्तव में यह योजना लड़कियों/महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देती है।इतना ही नहीं,नमो ड्रोन दीदी योजना एक आधुनिक पहल है जिसमें स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं/लड़कियों को कृषि कार्यों के लिए ड्रोन उड़ाने और उनके रखरखाव का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अंत में , राष्ट्रीय बालिका दिवस का मुख्य निष्कर्ष यह है कि समाज में बालिकाओं के प्रति दृष्टिकोण में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। आज बालिकाएं केवल घरेलू सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहीं हैं, बल्कि आज वे शिक्षा, खेल, अंतरिक्ष , बैंकिंग, सेना, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी जैसे हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर रही हैं। कहना गलत नहीं होगा कि आज विभिन्न सरकारी योजनाओं और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से लिंगानुपात में बहुत सुधार हुआ है और बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों में अभूतपूर्व कमी आई है। हालांकि, पूर्ण सशक्तीकरण के लिए अभी भी सुरक्षा, पोषण और उच्च शिक्षा के स्तर पर निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है। अंततः, यह दिन हमें संकल्प दिलाने का माध्यम है कि एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण तभी संभव है जब बेटियों को समान अधिकार, सुरक्षा और अपनी प्रतिभा दिखाने का पूरा अवसर मिले।

वाइफ स्वैपिंग और हमारे रिश्तों की टूटती नींव: समाज का आईना

-प्रियंका सौरभ

कुछ विषय ऐसे होते हैं जिन पर लिखना आसान नहीं होता। वे केवल शब्दों की नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक और नैतिक साहस की भी माँग करते हैं। यह विषय भी उन्हीं में से एक है, जहाँ चुनौती केवल प्रस्तुति की नहीं, बल्कि उस सच को सामने लाने की है जिसे समाज अक्सर ढककर रखना चाहता है। संस्कृति की आड़ में या आधुनिकता के नाम पर जिस चुपचाप गिरावट को स्वीकार किया जा रहा है, उस पर प्रश्न उठाना अब जरूरी हो गया है। आज जब परिवार की पवित्र संस्था पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं, वाइफ स्वैपिंग जैसी प्रवृत्ति न केवल वैवाहिक बंधनों को चुनौती दे रही है, बल्कि पूरे समाज के मूल्यों को झकझोर रही है।

वाइफ स्वप्पिंगह्न सुनते ही अधिकतर लोग इसे पश्चिमी संस्कृति या महानगरों तक सीमित मान लेते हैं। यह सोच हमें आत्मसंतोष देती है, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अधिक असहज और व्यापक है। क्या यह प्रवृत्ति वास्तव में केवल बड़े शहरों तक सीमित है, या फिर इसकी छाया गाँवों और छोटे कस्बों तक भी पहुँच चुकी है—बस हम उसे देखने से बच रहे हैं? उत्तर प्रदेश, केरल और लद्दाख जैसे क्षेत्रों से सामने आए मामले बताते हैं कि यह समस्या ग्रामीण और शहरी दोनों स्तरों पर मौजूद है।

यह विषय सनसनी फैलाने के लिए नहीं, बल्कि समाज के भीतर बदलते रिश्तों को समझने के लिए जरूरी है। यह विवाह संस्था की कमजोर होती नींव, रिश्तों में बढ़ती दरार और आधुनिकता के नाम पर मूल्यों की गलत व्याख्या की ओर ध्यान दिलाता है। यह केवल शारीरिक इच्छा का प्रश्न नहीं, बल्कि असुरक्षा, मानसिक अधूरापन, संवादहीनता और सामाजिक पाखंड का परिणाम भी है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से इसमें भावनात्मक शोषण, ईर्ष्या और विश्वास का पूर्ण विघटन होता है। इस तरह के संवेदनशील विषय को संतुलित और मर्यादित भाषा में रखना अत्यंत आवश्यक है, ताकि गंभीरता बनी रहे। यह भी सामने आता है कि किस प्रकार सामान्य दिखने वाले परिवार धीरे-धीरे ऐसे कुचक्र में फँस जाते हैं, जहाँ रिश्ते भावनाओं की जगह समझौते और दिखावे का रूप ले लेते हैं। बैंगलोर, हापुड़ जैसे स्थानों से सामने आए मामले इसकी पुष्टि करते हैं।

आज यह मान लेना भूल होगी कि ऐसी प्रवृत्तियाँ केवल महानगरों तक सीमित हैं। सोशल मीडिया और इंटरनेट ने जहाँ स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के नए रास्ते खोले हैं, वहीं मूल्यों के क्षरण को भी आसान बना दिया है। आभासी दुनिया में ह्लसामान्यह्न लगने वाली भाषा, व्यवहार और रिश्ते वास्तविक जीवन में परिवारों की नींव हिला रहे हैं। आईटी क्रांति, उपभोक्तावादी संस्कृति और पश्चिमी प्रभाव ने युवा वर्ग में प्रयोग की होड़ बढ़ाई है। आर्थिक असमानता, संयुक्त परिवार का विघटन और महिलाओं की आर्थिक निर्भरता इसे बढ़ावा दे रही हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से यह यौन असंतोष, ईर्ष्या और रोमांच की तलाश से उपजता है।

भारतीय संदर्भ में यह पुरुषप्रधान समाज की देन है। पत्नियाँ डर के मारे चुप रहती हैं—तलाक का कलंक, आर्थिक असुरक्षा या परिवार का विघटन। सोशल मीडिया ग्रुप्स ने इसे संगठित रूप दिया है। टियर-2 शहरों में तकनीक-साक्षर युवा इसमें लिप्त हैं। इसके प्रभाव विनाशकारी हैं। वैवाहिक स्तर पर विश्वास टूटता है, ईर्ष्या बढ़ती है, भावनात्मक लगाव नए पार्टनर से हो जाता है। बच्चों पर असर लंबे समय तक रहता है—वे असुरक्षा और रिश्तों की अस्थिरता सीखते हैं। विस्तारित परिवार समर्थन छोड़ देता है। समाज स्तर पर यह नैतिक क्षय और महिलाओं के शोषण को बढ़ावा देता है। भारत में परिवार संरचना बदल रही है, लेकिन यह विकृति नई चुनौतियाँ ला रही है।

यह विमर्श केवल प्रश्न खड़े नहीं करता, बल्कि समाधान की ओर भी संकेत करता है। परिवार स्तर पर खुला संवाद, काउंसलिंग, भावनात्मक अंतरंगता आवश्यक है। समाज स्तर पर स्कूलों में नैतिक शिक्षा, महिलाओं का सशक्तिकरण जरूरी है। कानूनी स्तर पर क्ष्ठ धाराओं का सख्त उपयोग, परिवार परामर्श नीतियाँ बनानी चाहिए।

यह विषय अश्लीलता नहीं, बल्कि समाज का आईना है। यह पाठक को असहज करता है, सोचने पर मजबूर करता है। शायद इसी असहजता में इसका सबसे बड़ा सामाजिक महत्व निहित है—कि हम अपने रिश्तों को पुनः परिभाषित करें। समय है जागने का।

दावोस में गूंजा मध्यप्रदेश का आत्मविश्वास

(पवन वर्मा-विनायक फीचर्स)

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस में इस बार मध्यप्रदेश की उपस्थिति ने दुनियाभर का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के प्रमुख उद्योगपति अब मध्यप्रदेश की नीतियों पर भरोसा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बीते दो वर्षों में अपनाई गई उद्योग हितैषी नीतियों का असर अंतरराष्ट्रीय मंच पर साफ और स्पष्ट रुप से दिखा। दावोस में वैश्विक उद्योगपतियों और निवेशकों ने मध्यप्रदेश को लेकर गंभीर रुचि दिखाई। राज्य सरकार की ओर से भी यह संकेत साफ रहा कि मध्यप्रदेश का औद्योगिक विकास केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। नीति, प्रशासन और बुनियादी ढांचे में किए गए सुधार अब लगातार परिणाम दे रहें हैं। इसी कारण दावोस में हुई बातचीत सामान्य औपचारिकताओं से आगे बढ़कर साझेदारी और निवेश की संभावनाओं तक पहुंची।

निवेशकों के लिए सबसे अहम सवाल होता है स्थिरता और भरोसा। मध्यप्रदेश सरकार ने इसी मोर्चे पर अपनी स्थिति मजबूत की है। सिंगल विंडो सिस्टम, निर्णय प्रक्रिया में तेजी और प्रक्रियाओं के सरलीकरण ने निवेश के रास्ते आसान किए हैं।

दावोस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की बैठकों से यह संदेश गया कि राज्य सरकार निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ उसे जमीन पर उतारने की क्षमता भी रखती है। यही वजह है कि मध्यप्रदेश को लेकर चर्चा केवल संभावनाओं तक सीमित नहीं रही।

नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। सोलर, विंड और पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। ओंकारेश्वर में जलाशय पर सोलर पैनलों के माध्यम से बिजली उत्पादन राज्य के बदलते ऊर्जा मॉडल का उदाहरण है। यहां किसानों को सोलर पंप देकर कृषि क्षेत्र को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इसका असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई दे रहा है। नवकरणीय स्रोतों से सबसे सस्ती बिजली उपलब्ध कराने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश का नाम आना दावोस में चर्चा का बड़ा विषय रहा।

अब भारत वैश्विक आर्थिक मंच पर मजबूत दावेदारी पेश कर रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारत का सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल पहुंचना इसी आत्मविश्वास को दशार्ता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दावोस में कहा कि भारत बहुत जल्द दुनिया की अग्रणी आर्थिक शक्तियों में शामिल होने जा रहा है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में मध्यप्रदेश जैसे राज्यों की भूमिका अहम मानी जा रही है। आईटी, टूरिज्म, मैन्युफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र राज्य की आर्थिक क्षमता को विस्तार दे रहे हैं।

दावोस में मालदीव के मंत्री एवं अर्थशास्त्री डॉ. मोहम्मद सईद के साथ हुई चर्चा ने यह स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश सरकार अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर भी सक्रिय रुख अपना रही है। टूरिज्म, मत्स्य पालन, आईटी और हेल्थ जैसे क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाओं पर भी बातचीत हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रस्तावित मालदीव दौरा इस बात का संकेत है कि प्रदेश सरकार इन चचाओं को आगे बढ़ाने के लिए गंभीर है। भारत और मालदीव के बीच पहले से मजबूत संबंधों में मध्यप्रदेश की भूमिका नए अवसर खोल सकती है।

मध्यप्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों की बढ़ती रफ्तार का सीधा असर रोजगार पर दिखाई दे रहा है। एग्रीकल्चर, पॉल्ट्री, फूड प्रोसेसिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ा है। राज्य के पास पर्याप्त लैंड बैंक, ऊर्जा संसाधन और अनुकूल भौगोलिक स्थिति है। देश के मध्य में स्थित होने का भी लाभ है,जो परिवहन और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करता है। एमओयू के जरिए सामने आ रहे निवेश प्रस्ताव रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा कर रहे हैं। बेरोजगारी दर में आई गिरावट इसी दिशा की ओर इशारा करती है।

दावोस से साफ हुआ संदेश

दावोस में हुई बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक निवेश मानचित्र पर अपनी जगह बनाने की ओर तेजी से बढ़ चुका है। उद्योग, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के मोर्चे पर सरकार की सक्रियता एक संगठित आर्थिक सोच को दशार्ती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने यह साबित किया है कि विकास केवल आंकड़ों का विषय नहीं है। नीति और परिणाम के बीच की दूरी को कम करने की दिशा में किए गए प्रयासों ने मध्यप्रदेश को नई पहचान दी है। दावोस से मिले संकेत बताते हैं कि राज्य आने वाले समय में देश की आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार बनने की तैयारी में है।

विपरीत परिस्थितियों में भी भारत की नीतियों का कमाल

संजीव ठाकुर

निश्चित रूप से यह चमत्कार से कम नहीं है कि वर्ष 2014 के पहले मनमोहन सिंह की कांग्रेस की सरकार के समय भारत विश्व में 11वीं आर्थिक शक्ति में गिना जाता था। 2014 में भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनते ही सबसे पहले आर्थिक मजबूती की नीतियों पर ध्यान देते हुए भारत की अंदरूनी अर्थशास्त्र मरम्मत करते हुए आज 2025 में विश्व की जापान जैसी चौथी आर्थिक शक्ति को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर चौथी महाशक्ति बन गया है। सकल जीडीपी में भारत ने उत्साह जनक वृद्धि करते हुए आश्चर्यजनक रूप से चौथी अर्थव्यवस्था बनने का कम समय में रिकॉर्ड बनाया है और अब तीसरी महाशक्ति बनने की ओर तेजी से अग्रसर है' यह भी सर्व विदित है कि भारत अपनी आर्थिक मजबूती के पायदान पर खड़ा होकर एक बड़ी सामरिक शक्ति भी बन गया है.

यह ऐसे समय में भारत ने किया है जब भारत के समक्ष विपरीत परिस्थितियों पहाड़ बनकर खड़ी हुई है ऑपरेशन सिंदूर में सामरिक तौर पर पाकिस्तान को परास्त करते हुए अमेरिका चीन पाकिस्तान तुर्की जैसे देशों का मुकाबला डटकर किया है। भारत ऑपरेशन सिंधु चलते हुए पाकिस्तान के 9 हवाई बेस अड्डों को नष्ट किया है के अलावा 100 आतंकवादियों को मार भी गिराया है ट्रंप ने इस मामले में दबाव डालने का भरपूर प्रयास किया था भारत के कड़े रुख के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने बयान से यू टर्न लेना पड़ा और भारत और पाकिस्तान के बीच से अपना हाथ खींच लिया है। अब भारत में कूटनीतिक तौर पर अपने 60 से अधिक सांसदों को विदेश विभिन्न देशों में अपने सांसदों का दल भेज कर भारत का रुख साफ करने एवं पाकिस्तान की काली करतूत के तहत विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने का पदार्फास भी किया है। भारत ना सिर्फ चौथी आर्थिक शक्ति बना है बल्कि सामरिक तौर पर अपनी फौज के दम पर पाकिस्तान जैसे आतंकवादी देश को परास्त करते हुए चौथी आर्थिक महाशक्ति बन गया है। अब वह दिन दूर नहीं जब भारत अपनी वर्तमान की आर्थिक नीतियों पर चलते हुए बहुत शीघ्र जर्मन जैसे शक्तिशाली देश को पीछे छोड़ते हुए तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो गया है। भारत सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी भी देश की नियत साफ हो तो वह किसी भी दिशा में सकारात्मक रूप से शांति स्थापना की अच्छी मंशा को लेकर वैश्विक स्तर पर अच्छी छवि बनाकर सिरमौर भी बन सकता है। भारत 142 करोड लोगों के श्रम के हाथों और मजबूत आर्थिक नीतियों के चलते 4000 अरब डॉलर वाला कुल सकल उत्पाद की ताकत के बाद वैश्विक स्तर पर चौथी आर्थिक ताकत बनकर उभरा है। भविष्य में भारत को अपने नागरिकों के श्रम के दम पर बहुत शीघ्र जर्मनी जैसे ताकतवर पश्चिमी देश को पीछे छोड़कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। वर्तमान में भारत अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 40 पैसे मजबूत हुआ है।

इंटरनेशनल मोनेटरी फंड तथा विश्व बैंक ने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा है कि विश्व की दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के लगातार प्रदर्शन के बीच भारत की अंदरुनी अर्थव्यवस्था काफी मजबूत हुई है तथा यह मजबूत अर्थव्यवस्था लगातार जारी रहने की संभावना है। ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात यह बहुत शुभ खबर है कि पाकिस्तान में हमले के बाद इसराइल फ्रांस ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ-साथ खाड़ी के देश भी भारत के सामरिक अस्त्र-शस्त्र खरीदने की होड़ में शामिल हो गए हैं एवं भारत में बने रक्षा उत्पादों को खरीदने की मंशा रखते हैं। भारत को न सिर्फ निर्यात बल्कि देश के लिए उपयोगी आवश्यक वस्तुओं का आयात भी करना होगा तब जाकर हम तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर उन्मुख हो सकते हैं। भारत के प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब हमें चीन के सामानों का उपयोग ना करके घर में ही उत्पादन बढ़ाकर आर्थिक रूप से चीन को करारा जवाब देकर उसे आर्थिक रूप से परास्त करना है। भारत ने डिजिटल टेक्नोलॉजी को काफी हद तक विस्तृत कर पूरी दुनिया में यह साबित कर दिया है कि डिजिटाइजेशन में भारत बहुत आगे बढ़ गया है और भारत की विशाल जनसंख्या को हमने बोझ बनने ना देकर उसे अपनी शक्ति के तौर पर इस्तेमाल किया है और यही कारण है कि हम अपने निरंतर आर्थिक सुधारो तथा ग्रामीण क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व परिवर्तन कर देश को एक नया सकारात्मक आकार दिया है। वैश्विक स्तर पर भारत के चौथी महाशक्ति बनने के साथ-साथ एक स्वर्णिम अध्याय भी शुरू हुआ है। भारत की नीति आयोग की आवश्यक मीटिंग में इस बात को उजागर किया गया है एवं इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के उपलब्ध कराये हुए डेटाबेस के आधार पर भारत चौथी आर्थिक महाशक्ति के पद पर काबिज हो गया है उल्लेखनीय है कि भारत के पहले बाहुबली अमेरिका भारत का परंपरागत विरोधी चीन और जर्मनी मौजूद हैं। 2014 के पहले यूपीए सरकार के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय भारत विश्व की 11वीं आर्थिक शक्ति बना था इसके पश्चात नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में भारत को गुलाम रखने वाले देश ब्रिटेन को पीछे छोड़कर पांचवी आर्थिक शक्ति का पद हासिल किया था। भारत में स्वतंत्रता के बाद से आर्थिक सामाजिक वैज्ञानिक तथा स्वास्थ्य सेवाओं में भारी वृद्धि कर एक सकारात्मक विचारों वाली सरकार को आगे बढ़ाया था। भारत में 1947 के बाद धीरे-धीरे वृद्धि की और अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को सदैव शांति के पक्ष में रखकर आक्रमण न करने की नीति को अपनाया था। 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार ने आर्थिक नीतियों पर ज्यादा जोर देते हुए नई-नई नीतियों तथा विदेशी शक्तियों से हाथ मिलाकर आयात निर्यात को बहुत ज्यादा बढ़ावा दिया और अपनी जनसंख्या को ताकत बनते हुए घरेलू सकल उत्पाद पर ज्यादा ध्यान देते हुए 2025 तक तीसरे कार्यकाल में यह स्वर्णिम उपलब्धि प्राप्त की है। गौरतलाप है कि 1947 में भारत के साथ पाकिस्तान भी स्वतंत्र हुआ था किंतु पाकिस्तान अपनी आतंकवादी काली करतूत के कारण भुखमरी का कगार पर खड़ा है एवं उसके अस्तित्व के संकट के बादल सर पर मंडरा रहे हैं वह भीख का कटोरा लेकर दर-दर घूम रहा है परंतु उसे कोई उधार देने को भी तैयार नहीं है। इन परिस्थितियों में जब ट्रंप की नई सरकार ने सभी देशों पर भारी टैरीफ लगाने नीति अपनाई है जिसके परिणाम स्वरूप यूरोपीय देश भी उससे अलग होने की जुगत में लगे हुए हैं। परिस्थितियों को देखते हुए कोई शक नहीं जब भारत बहुत जल्द तीसरी महाशक्ति बनेगा एवं अपनी सामरिक शक्ति के साथ पूरे विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता प्राप्त कर सकता है।

श्री राम मन्दिर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा की तीसरी वर्षगांठ पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्रीराम मंदिर, पावन श्रीधाम अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा की तीसरी वर्षगांठ पर चेम्बूर में रिक्षा चालक यूनियन द्वारा भव्य कार्यक्रम मानस परिवार सेवा ट्रस्ट के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में भाजपा की नवनिर्वाचित नगरसेविका श्रीमती आशा सुभाष मराठे , पूर्व नगरसेविका श्री राजश्री पलांडे सुर्वे, मुंबई बैंक के चेयरमैन विष्णु घुमरे , अ जा मोर्चा के मुंबई उपाध्यक्ष रमेश दुलगुच्छ ,फेडरल बैंक की ब्रांच मैनेजर स्वाति पाण्डेय मैडम, आर एस एस ,विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों के अलावा सैकड़ो रिक्शा चालक मालक उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रकाश गुप्ता, नंदकिशोर बरनवाल , ह्रदयनाथ दुबे, आकाश ठाकुर, मुकेश गुप्ता ,सुभाष यादव, रमाशंकर गुप्ता विश्व नाथ झा आदि ने सभी मेहमानों का रामनामी पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया।मानस परिवार सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोदकुमार हंसराज पाण्डेय ने श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर आरती किया। इस अवसर पर प्रमोद पांडे ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद संपूर्ण विश्व में हिंदू समाज का सीना गदगद हुआ है। सनातन धर्म का बोलबाला बढ़ा है। जिसका सारा श्रेय हमारे देश के लोकप्रिय प्रधानमन्त्री माननीय नरेन्द्र मोदी को जाता है।

महासरस्वती मित्र मंडल सार्वजनिक श्री सरस्वती पूजा उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया

मीरा भायंदर (उत्तर शक्ति)। मीरा रोड़ काशीमीरा में महासरस्वती मित्र मंडल सार्वजनिक श्री सरस्वती पूजा उत्सव कार्यक्रम किया गया संस्था के संस्थापक अध्यक्ष शिवा कुमार ने स्वर विद्या ज्ञान के जननी मां सरस्वती की प्रतिमा रखकर विधिवत मंत्र उच्चारण आरती रचना कर मां सरस्वती से आशीर्वाद लिया। उन्होंने बताया की मां सरस्वती के आशीर्वाद से यह कार्यक्रम में लगभग सत्ताईस साल से कर रहा हूं। यह कार्यक्रम में मां सरस्वती की दर्शन कर आशीर्वाद लेने के लिए उपस्थित प्रयास फाउंडेशन के अध्यक्ष नितेश सिंह, श्रीमती कविता भोये, श्रीमती वैशाली कुम्भार, पत्रकार तारकेश्वर पांडे, संजय सिंह, गौरव सिंह, राजू गुप्ता, राज कुमार पाल सहित मां सरस्वती के दरबार में दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत भिवंडी महानगरपालिका द्वारा पथविक्रेताओं को किया गया ऋण वितरण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। दिनांक 23 जनवरी 2026 को सुबह 10.30 बजे माननीय प्रधानमंत्री की प्रमुख उपस्थिति में केरल के तिरुवनंतपुरम में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत देशभर में एक लाख ऋण वितरण एवं क्रेडिट कार्ड उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भिवंडी महानगरपालिका मुख्यालय में वर्चुअल माध्यम से किया गया। भिवंडी महानगरपालिका की ओर से इस कार्यक्रम का आयोजन माननीय अतिरिक्त आयुक्त श्रीमती नयना ससाणे की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में माननीय उपायुक्त श्री विक्रम दराडे, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर श्री पवन निगम, श्रीमती भावना पानी, समाज कल्याण विभाग के विभाग प्रमुख श्री मिलिंद पळसुले तथा एन.यू.एल.एम. विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर माननीय अतिरिक्त आयुक्त श्रीमती नयना ससाणे के हाथों प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, जकात नाका शाखा के माध्यम से 20 पथविक्रेताओं को ऋण वितरित किया गया। साथ ही भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र में स्थित अन्य बैंकों के माध्यम से अनुमानित 100 पथविक्रेताओं को भी ऋण वितरण किया गया। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से पथविक्रेताओं को आर्थिक सशक्तिकरण मिलेगा और उनके व्यवसाय को नई दिशा प्राप्त होगी, ऐसा मत इस अवसर पर व्यक्त किया गया।

टाटा एआईए लाइफ के साथ दीर्घकालिक बचत की बेहतर सुविधा: प्रीमियम ऑफसेट तथा गारंटीशुदा आय का विकल्प

मुंबई/पटना। भविष्य के लिए बचत सभी करना चाहते हैं, लेकिन दीर्घकालिक बचत योजना पर टिके रहना अक्सर मुश्किल हो सकता है। बढ़ते घरेलू खर्च, बदलती प्राथमिकताएं, और साल-दर-साल प्रीमियम के भुगतान के दबाव कारण, लंबे समय तक इसका वहन करना मुश्किल लग सकता है। इस संदर्भ में टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने अपनी दीर्घकालिक बचत योजना 'फॉर्च्यून गारंटी सुप्रीम' को प्रीमियम ऑफसेट एवं गारंटीशुदा आय जैसी विशेष सुविधाओं से समृद्ध किया है, जो गारंटीशुदा रिटर्न प्रदान कर वित्तीय सुरक्षा की चिंता को बहुत कम करते हैं। प्रीमियम ऑफसेट फीचर के साथ बचत की ज़िम्मेदारी बांटना इस बदलाव का मुख्य तत्व है, टाटा एआईए का अनोखा ह्यप्रीमियम ऑफसेटह्न विकल्प। इस सुविधा के तहत, ग्राहक 12 साल की प्रीमियम भुगतान अवधि के पहले छह साल के लिए ही प्रीमियम देते हैं, और बाकी छह प्रीमियम के लिए, वे टाटा एआईए द्वारा दिए जाने वाले आय लाभ (इनकम बेनिफिट) से चुकाने (ऑफसेट) का विकल्प चुन सकते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पालघर में आरबीआई के आर्थिक साक्षरता केंद्र का शुभारंभ

ग्रामीण जनता को मिलेगा बैंकिंग व डिजिटल सेवाओं का लाभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), बैंक ऑफ महाराष्ट्र तथा नाबार्ड के विशेष सहयोग से पालघर जिले में स्वाधार फिनएक्सेस संस्था द्वारा स्थापित आर्थिक साक्षरता केंद्र का भव्य उद्घाटन किया गया। यह केंद्र अफरीन अपार्टमेंट, ए-विंग, भूतल, दुकान क्रमांक-12, साई सॉ मिल के सामने, नवली, पालघर पूर्व - 401404 में शुरू किया गया है।

शुक्रवार 23 जनवरी 2026 को आयोजित उद्घाटन समारोह में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक विशाल वाघ एवं आर्थिक साक्षरता सलाहकार उज्ज्वला कोकणे के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत जिला समन्वयक मंगल वाघ ने किया। इस अवसर पर पालघर, वसई, दहानू एवं जव्हार की टीम के सदस्य भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस आर्थिक साक्षरता केंद्र के माध्यम से पालघर जिले के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के नागरिकों को बैंकिंग से जुड़ी आधुनिक जानकारी सहज रूप से उपलब्ध होगी।

केंद्र का मुख्य उद्देश्य गांव-गांव तक बैंकिंग लेन-देन, डिजिटल भुगतान प्रणाली और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाकर जनजागृति फैलाना है। वर्तमान समय में बढ़ती ऑनलाइन धोखाधड़ी (साइबर फ्रॉड) से बचाव के लिए यह केंद्र विशेष मार्गदर्शन प्रदान करेगा। साथ ही नागरिकों को ऋण प्रक्रिया, बीमा योजनाओं तथा सरकारी पेंशन योजनाओं की विस्तृत जानकारी एक ही स्थान पर मिलने से अनावश्यक भटकाव से मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक विशाल वाघ ने कहा कि यह पहल पालघर जिले के दुर्गम एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस केंद्र की सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठायें।

डिफाइनेज सिक्योरिटीज ने एल्गो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म एल्गोस्ट्रा लॉन्च किया

मुंबई। नवोन्मेषी ट्रेडिंग टूल्स और निवेशकों की शिक्षा की मजबूत इकोसिस्टम के लिए पहचानी जाने वाली और पुणे मे स्थित फिनटेक तथा स्टॉक ब्रोकिंग कंपनी डिफाइनेज सिक्योरिटीज ब्रोकिंग प्रा. लि. ने आज अपना अब तक का सबसे महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म एल्गोस्ट्रा प्रस्तुत किया। यह प्लेटफॉर्म शून्य प्लेटफॉर्म शुल्क वाला और भारत का पहला पूरी तरह से कस्टमाइज किया जा सकने वाला रिटेल ट्रेडिंग ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म है। सेबी द्वारा अक्टूबर २०२५ में रिटेल निवेशकों के लिए एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग को आधिकारिक रूप से अनुमति दिए जाने के मात्र तीन महीनों के भीतर एल्गोस्ट्रा प्लेटफॉर्म का लॉन्च होना, भारतीय रिटेल ट्रेडिंग के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है। रिटेल ट्रेडिंग ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म को पेश करने के लिए यह समय अत्यंत उपयुक्त है। सेबी के अपने अध्ययन के अनुसार, वित्त वर्ष २०२४ में एफ एंड ओ सेगमेंट में एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग पर संस्थागत निवेशकों और प्रोप्रायटरी ट्रेडर्स का ही वर्चस्व रहा। एफपीआई के मुनाफे का ९७ प्रतिशत और प्रोप्रायटरी ट्रेडर्स के मुनाफे का ९६ प्रतिशत हिस्सा इन्हीं के खाते में गया। इस अनुशासित और प्रणालीबद्ध ट्रेडिंग के लाभों से रिटेल निवेशक अब तक और हाल तक भी बड़े पैमाने पर वंचित ही रहे हैं। व्यक्तिगत निवेशकों की शेयर बाजार में सहभागिता लगातार बढ़ रही है। एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में उनका निवेश मार्च २०२० से पाँच गुना बढ़कर ८४ लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया है (एनएसई पल्स रिपोर्ट, सितंबर २०२५)।

विधायक दौलत दरोडा के भतीजे हरीश उर्फ भाऊ दरोडा की जेल में मौत

कल्याण (उत्तरशक्ति)। विधायक दौलत दरोडा के भतीजे हरीश उर्फ भाऊ दरोडा की जेल में सजा काटते हुए मौत हो गई है। वह करोड़ों के चावल खरीद घोटाले के मामले में न्यायिक हिरासत में थे। पुलिस इंस्पेक्टर मारुति अंधाले ने बताया है कि इस मामले में खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में अचानक मौत का केस दर्ज किया जाएगा। इससे शाहपुर तालुका में हलचल मच गई है।

हरीश दरोडा के खिलाफ दिसंबर 2023 में शाहपुर तालुका के सक्दबाव सेंटर पर पांच हजार क्विंटल चावल के घोटाले के सिलसिले में किन्हावली पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। इस बीच, मृतक हरीश दरोडा का राष्ट्रवादी पार्टी में प्रवेश समारोह कुछ महीने पहले बड़ी धूमधाम से हुआ था। हालांकि, विधायक के भतीजे को पुलिस ने 9 दिसंबर को गिरफ्तार कर लिया था। तब से हरीश दरोडा कल्याण की आधारवाड़ी जेल में सजा काट रहे हैं। ठाणे जिले के शाहपुर का आदिवासी विकास महामंडल चावल खरीद में भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था। पिछले दो-तीन सालों में करीब 16 करोड़ रुपये का चावल खरीद घोटाला सामने आया है। इसी मामले में जेल में सजा काट रहे थे ।

सिकलसेल मुक्त महाराष्ट्र के लक्ष्य से अरुणोदय विशेष अभियान

पूर्व तैयारी की समीक्षा के लिए डॉ. सुहास माने का पालघर दौरा

पालघर (उत्तरशक्ति)। सिकलसेल रोग की रोकथाम एवं सिकलसेल मुक्त महाराष्ट्र के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित अरुणोदय सिकलसेल विशेष जांच अभियान की पूर्व तैयारियों की समीक्षा हेतु सहायक संचालक स्वास्थ्य सेवा (चिकित्सा) तथा विभागीय नोडल अधिकारी डॉ. सुहास माने ने गुरुवार 22 जनवरी 2026 को पालघर जिले का दौरा किया।

इस दौरान डॉ. माने ने विक्रमगड तहसील अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्झे के भोईरपाड़ा क्षेत्र में सिकलसेल से पीड़ित मरीजों के घर जाकर प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और सिकलसेल रोग में नियमित दवा उपचार, आवश्यक सावधानियों तथा जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन दिया। साथ ही मरीजों को दिए गये सिकलसेल पहचान पत्र (कार्ड) के वितरण की भी समीक्षा की गई।

डॉ. माने ने मरीजों को किसी भी स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्झे से तुरंत संपर्क करने की सलाह दी तथा उनकी समस्याओं और जरूरतों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा 15 जनवरी से 7 फरवरी 2026 तक जिले में अरुणोदय सिकलसेल विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत 0 से 40 वर्ष आयु वर्ग के शेष सभी नागरिकों की सॉल्युबिलिटी टेस्ट एवं एच.पी.एल.सी. जांच अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सिकलसेल रोगी एवं वाहक व्यक्तियों को नियमित गृहभेंट देकर दवा उपलब्धता सुनिश्चित करने, उचित परामर्श देने तथा दो रंगीन कार्डधारी व्यक्तियों के बीच विवाह न करने के संबंध में मार्गदर्शन करने के स्पष्ट निर्देश दिए गये। अभियान के माध्यम से सिकलसेल रोग के प्रति अधिक से अधिक जनजागरूकता फैलाने पर विशेष जोर दिया गया। इस समीक्षा बैठक में डॉ. वैदही मालवी (डी.आर.सी.एच.ओ.), विनोद रडे (चिकित्सा अधिकारी), डॉ. महेश जाधव (चिकित्सा अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्झे), इंदल जाधव (जिला सिकलसेल समन्वयक) सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बदलापुर में बच्ची से छेड़छाड़ का मामला - आरोपी कड़ी सुरक्षा में कल्याण कोर्ट में हाजिर

आरोपी को 27 जनवरी तक पुलिस रिमांड

कल्याण (उत्तरशक्ति)। बदलापुर में 4 साल के बच्ची से छेड़छाड़ की कोशिश के मामले में बदलापुर पुलिस ने आरोपी इमरान पटेल को गिरफ्तार कर कल्याण सेशंस कोर्ट में पेश किया। जज वी. ए. पात्रावाले ने बंद कमरे में मामले की सुनवाई की। आरोपी को 27 जनवरी तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बदलापुर में 4 साल की मासूम बच्ची के साथ छेड़खानी का सनसनीखेज मामले में आज आरोपी को कल्याण कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को 27 जनवरी तक पुलिस रिमांड में भेजने के आदेश दिए हैं। स्कूल से जुड़े इस घटना की जानकारी जैसे ही शहर वाशियों को पता चली नागरिकों में भारी आक्रोश देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए जोरदार आक्रोश जताया । आरोपी पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहे है।

मुंबई सहित पूरे भारत से 27,000 से अधिक विद्यार्थियों ने दी धार्मिक परीक्षा

श्री जैन धार्मिक शिक्षा संघ द्वारा देशव्यापी ऐतिहासिक आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री जैन धार्मिक शिक्षा संघ द्वारा आयोजित वार्षिक धार्मिक परीक्षा में इस वर्ष मुंबई सहित पूरे भारत की पाठशालाओं के 27,000 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह रहा कि यह परीक्षा पहली बार पूरे भारत में एक ही दिन, एक ही समय पर, 118 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर कक्षा 1 से 36 तक आयोजित की गई। यह आयोजन जैन धार्मिक शिक्षा के इतिहास में एक गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज हुआ है। इस शुभ अवसर का आरंभ संस्था के उपाध्यक्ष संजयभाई जीवनलाल शाह, महिला विभाग की उपाध्यक्ष अल्पाबेन संजयभाई शाह तथा कोषाध्यक्ष-ट्रस्टी अशोक नरसिंह चरला एवं जवाहरलाल मोतीलाल शाह के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। शक्तितला स्कूल में आयोजित परीक्षा के दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन किया। डिजिटल युग में बच्चों को पाठशाला से जोड़ना एक चुनौती बन गया है। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए संघ द्वारा जैन डिजिटल पाठशाला कार्यक्रम आरंभ किया गया है, जिसके माध्यम से 5 से 14 वर्ष के बच्चों को आधुनिक तकनीक के सहारे धार्मिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में संघ के मार्गदर्शन में मुंबई में 655 से अधिक पाठशालाओं में 1,400 से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाएँ सेवा दे रही हैं तथा 75,000 से अधिक बच्चे नियमित रूप से धार्मिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष संजयभाई जीवनलाल शाह ने कहा, कि बच्चों में धार्मिक संस्कारों का रोपण करना संस्था का मुख्य उद्देश्य है, और इसकी शुरूआत पाठशाला से ही होती है। जैन धर्म के शाश्वत सिद्धांत-अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांतवाद–जीवन जीने की श्रेष्ठ पद्धति सिखाते हैं। जिन बच्चों में धार्मिक संस्कार होते हैं, उनका सर्वांगीण विकास निश्चित होता है और वही जैन शासन को मजबूत बनाते हैं।

इस राष्ट्रव्यापी धार्मिक परीक्षा के अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष जवाहरलाल मोतीलाल शाह, अध्यक्ष सुरेश देवचंद संघवी, उपाध्यक्ष संजयभाई जीवनलाल शाह, कोषाध्यक्ष अशोक नरसिंह चरला तथा महिला विभाग की उपाध्यक्ष अल्पाबेन और संजयभाई शाह का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जैन ट्रस्टी, पाठशाला के विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में जैन समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बोईसर में गणपति बप्पा का दर्शन पूजन के साथ धूमधाम से मनाया गया माघी गणेशोत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति)। शुक्रवार 22 जनवरी 2026 को माघ मास की पावन गणेश चतुर्थी तिथि के अवसर पर पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत महावीर चैंबर में सामाजिक कार्यकर्ता रंजन टेम्भूलकर के निवास स्थान पर विराजमान भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विधिवत दर्शन एवं पूजन करते हुए बड़े धूमधाम के साथ माघी गणेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

माघी गणेशोत्सव कार्यक्रम में बोईसर पुलिस थाने के पुलिस उपनिरीक्षक विनय मोरे, पुलिस उपनिरीक्षक सुदर्शन टेम्भूलकर, वरिष्ठ पत्रकार निलेश नगरकर व अजीत सिंह सहित अनेक सामाजिक, प्रशासनिक एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की। उपस्थित सभी लोगों ने भगवान श्री गणेश जी का दर्शन कर पूजा-अर्चना करते हुए बप्पा का आशीर्वाद लिया। पूरे वातावरण में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार देखने को मिला। भक्तों ने आरती, प्रसाद वितरण व मंगलकामनाओं के साथ इस पावन पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया। इस गणेशोत्सव के आयोजक प्रतिनिधि के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार निलेश नगरकर ने बताया कि माघी गणेशोत्सव का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता व सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना है।

भिवंडी में होने वाले 5 द्विसीय आगरी महोत्सव को सांस्कृतिक विभाग से सरकारी अनुदान देने की आयोजकों की मांग

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भूमिपुत्र आगरी समाज की समृद्ध परंपरा, संस्कृति और लोकजीवन को जन-जन तक पहुँचाने वाले भिवंडी आगरी महोत्सव के लिए राज्य सरकार के सांस्कृतिक विभाग द्वारा अनुदान प्रदान किया जाए, ऐसी मांग महोत्सव के आयोजकों ने राज्य शासन से की है। यह मांग गुरुवार को आयोजित एक पत्रकार परिषद में की गई। भिवंडी तालुका के सोनाले स्थित मैदान में भिवंडी आगरी महोत्सव का आयोजन 24 से 28 जनवरी तक कुल पाँच दिनों के लिए किया गया है। इस महोत्सव की विस्तृत जानकारी देने के लिए आयोजित पत्रकार परिषद में महोत्सव के संस्थापक विशुभाऊ म्हात्रे, आयोजन समिति के अध्यक्ष पंडित पाटील, स्वागताध्यक्ष यशवंत सोरे, ओम मुकादम और अमर म्हात्रे उपस्थित थे। आयोजकों ने बताया कि इस महोत्सव का उद्घाटन वारकरी संप्रदाय की पारंपरिक पालखी और रिंगण सोहळे के साथ भव्य रूप में किया जाएगा। महोत्सव के दौरान खेलकूद, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 10 विशिष्ट मान्यवरों का सम्मान भी किया जाएगा। महोत्सव में आगरी समाज की लोकसंस्कृति, पारंपरिक नृत्य, संगीत और वेशभूषा को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं, खाने-पीने के शौकीनों के लिए आगरी-कोळी पारंपरिक व्यंजनों के विशेष स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जिससे स्थानीय व्यंजनों को बढ़ावा मिलेगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष पंडित पाटील ने कहा कि यह महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आगरी समाज की पहचान, इतिहास और विरासत को सहेजने का प्रयास है। यदि राज्य सरकार की ओर से अनुदान प्राप्त होता है तो महोत्सव को और भी व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा सकेगा तथा स्थानीय कलाकारों और युवाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। आयोजकों ने राज्य शासन से सकारात्मक निर्णय लेने की अपील करते हुए कहा कि ऐसे लोक-सांस्कृतिक महोत्सवों को संरक्षण देना समय की आवश्यकता है।

बोईसर में पहली बार जटिल रोटा एंजियोप्लास्टी सफल, वरद हॉस्पिटल ने हासिल की सफलता

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। बोईसर के वरद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने हृदय रोग उपचार के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार अत्याधुनिक एवं जटिल रोटेशनल एथेरेक्टॉमी (रोटा एंजियोप्लास्टी) प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। यह अत्यंत जटिल हृदय चिकित्सा प्रक्रिया डॉ. नील स्नेहल (डी.एम. कार्डियोलॉजी) ने अपनी अनुभवी चिकित्सा टीम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोईसर के उनभाट (दांडी) निवासी दत्तात्रय पांडुरंग पाटील (78 वर्ष) गंभीर हृदय रोग से पीड़ित थे। अन्यत्र चिकित्सकों द्वारा उन्हें बायपास सर्जरी की सलाह दी गई थी, किंतु उम्र और समग्र स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए यह सर्जरी अत्यधिक जोखिमपूर्ण मानी जा रही थी। ऐसे में दिनांक 13 जनवरी 2026 को मरीज को वरद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, बोईसर में भर्ती कराया गया। विस्तृत जांच और आधुनिक तकनीकी मूल्यांकन के बाद डॉ. नील स्नेहल ने मरीज के लिए रोटा एंजियोप्लास्टी को सुरक्षित एवं प्रभावी विकल्प बताया। मरीज की हृदय धमनियों में अत्यधिक कठोर एवं कैल्शियमयुक्त ब्लॉकेज था, जिसे दिनांक 16 जनवरी 2026 को रोटा एंजियोप्लास्टी की सहायता से सफलतापूर्वक हटाकर रक्त प्रवाह को सामान्य किया गया। सफल उपचार के पश्चात मरीज को दिनांक 21 जनवरी 2026 को स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। बोईसर क्षेत्र में यह अत्याधुनिक हृदय प्रक्रिया पहली बार किए जाने से स्थानीय नागरिकों में खुशी की लहर है। नागरिकों का कहना है कि अब गंभीर हृदय रोगियों को इलाज के लिए मुंबई या अन्य बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों की भी बचत होगी। इस सफलता के लिए डॉ. साईदास लिंगनवाड सहित वरद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की संपूर्ण चिकित्सा एवं कैथलैब टीम की सर्वत्र सराहना की जा रही है। वहीं मरीज एवं उनके परिजनों ने डॉक्टरों और पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया है।

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

लापता ऑटो चालक का शव मिलने से सनसनी, गांव में छाया मातम माहौल

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के अतरौलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शेखपुरा निवासी सुबोध सिंह (41 वर्ष) पुत्र शैलेंद्र सिंह का शव शुक्रवार सुबह मुबारकपुर थाना क्षेत्र के बिजरवा गांव के पास मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही मुबारकपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ ही देर बाद परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने मृतक की पहचान सुबोध कुमार सिंह के रूप में की। मृतक तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे, जिनमें से एक भाई की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां और एक बेटा है। परिजनों के अनुसार, सुबोध

सिंह ऑटो रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। वह 21 जनवरी की सुबह करीब नौ बजे घर से निकले थे, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटे। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद तीन दिन पूर्व अतरौलिया थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। शुक्रवार सुबह शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

लायंस क्लब रॉयल ने मनाया बसंतोत्सव, विद्या की देवी को भक्तिपूर्वक पूजा

अभियाश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की महिला मंडल ने बसंत पंचमी के पावन बेला पर एक शानदार उल्लासपूर्ण बसंत उत्सव कार्यक्रम का आयोजन सुक्खीपुर स्थित एक लॉन में किया। जहां विद्या की देवी मां सरस्वती का श्रृंगार कर पूजा अर्चना की गई और बसंत के आगमन का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष संजीव साहू ने कहा मां सरस्वती विद्या की देवी हैं और उनकी कृपा के बिना हम सब का जीवन निरर्थक है। इन्हीं से हम सद्बुद्धि का आशीर्वाद मांगते हैं आज के ही दिन होलिका की स्थापना भी की जाती है । कार्यक्रम संयोजक राजा सुचंद मधुरानी गुप्ता ने कहा आज से शीत ऋतु विदा होता है और बसंत ऋतु दस्तक देता है। आज से हम सब होली की तैयारी में लग जाते हैं कार्यक्रम की शुरूआत क्लब की प्रथम महिला विभा गुप्ता ने मां सरस्वती की पूजा और आरती के साथ की उन्होंने कहा वाग्देवी की कृपा हम

सबके लिए महत्वपूर्ण है। इसके बाद सभी महिलाओं ने भजन कीर्तन एवं गीत का आनंद लिया जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण हो गया इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिताओं की विजेता सपना गुप्ता एकता गुप्ता को क्लब अध्यक्ष संजीव विभा साहू ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनका उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता प्रीति गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर रेनू बैंकर, अभिताश एकता गुप्ता, राजेन्द्र रितु सेठ,रसाल निहारिका बरनवाल, आशीष प्रियंका गुप्ता, अजय सोनकर, नवीन शिल्पी साहू, आंनद श्वेता साहू व्यवस्था को सुचारू रूप देने में लगे रहे सौम्या गुप्ता और श्रुति गुप्ता ने सभी को हल्दी कुमकुम लगाया।

कार्यक्रम में प्रियंका पियूष गुप्ता,प्रियंका विश्वकर्मा, अस्मिता गुप्ता, रुपाली सोनी, सपना गुप्ता, नीतू अग्रहरि, आंचल सोनी, श्रद्धा साहू, सोनी गुप्ता, श्रद्धा जायसवाल, अंशु श्रीवास्तव, मीनाक्षी प्रधान, एकता गुप्ता, प्रगति गुप्ता, इत्यादि विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सुरूचिपूर्ण स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ कार्यक्रम संयोजक राजा सुचंद मधुरानी गुप्ता ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र जगतगंज बाजार के निकट ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत हो गई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इसी थाना क्षेत्र के कलीचाबाद गांव निवासी विकास कुमार यादव उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्वर्गीय पुजारी यादव अपनी बाइक से गुरुवार रात्रि लगभग 9:30 बजे अपने ननिहाल से वापस लौट रहे थे। जैसे ही यह जगतगंज के पास से गुजर रहे थे कि अचानक तेज रफ्तार से आ रहे ट्रेलर की चपेट में आ गए। घायल अवस्था में देखकर सड़क से गुजर रहे ग्रामीणों वा राहगीरों की एकत्रित हो गई। राहगीरों द्वारा 108 एंबुलेंस बुलाकर खून से लथपथ अवस्था में पड़े रहे विकास को जिला अस्पताल भेजा गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। काफी देर तक यह व्यक्ति अज्ञात रहा लेकिन देर में सूचना देने पर घर वालों ने लाश को देखकर पहचान किया। पुलिस ने लास्ट को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार वालों ने बताया कि अपने ननिहाल में खेत की जुताई कराकर घर वापस लौट रहे थे।

रुकने का नाम नहीं ले रहा चाइनीज मांझे का कहर, अबकी बार अधिवक्ता हुआ शिकार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थानांतर्गत भण्डारी स्टेशन निवासी पूर्व शासकीय अधिवक्ता फौजदारी हरीश चंद्र मौर्या शुक्रवार की सुबह लगभग 9:30 बजे बाइक से दीवानी कचेहरी जा रहे थे जैसे ही वह सद्भावना पुल से आगे मच्छरहट्टा पहुंचे थे तभी

उनके गले में चाइनीज मांझा लिपट गई जब तक वह कुछ समझ पाते तब तक वह अपना काम कर गया और उनके गले पर गहरे निशान के साथ गले की चमड़े को काट दिया। गले से खून निकलता देख कर स्थानीय लोगों ने आनन फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया जहां पर उनका ईलाज चल रहा हैं।

एसपी जौनपुर ने सुनी जनता की फरियाद, त्वरित निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर में आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर पुलिस अधीक्षक डॉ० कौस्तुभ द्वारा गुरुवार को पुलिस कार्यालय परिसर में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं और शिकायतें पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं।

पुलिस अधीक्षक डॉ० कौस्तुभ ने एक-एक फरियादी की बात गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी सहित अन्य मामलों की शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने कई मामलों में मौके पर ही संबंधित थाना प्रभारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए, जबकि कुछ मामलों में जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा।

इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी शिकायतों का समयबद्ध व न्यायोचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

जनसुनवाई में आए फरियादियों ने पुलिस अधीक्षक द्वारा व्यक्तिगत रूप से समस्याएं सुनने और त्वरित निर्देश देने पर संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से पुलिस-जन संवाद को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल देखने को मिली। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं को बेझिझक जनसुनवाई के माध्यम से प्रस्तुत करें, ताकि समय रहते उनका समाधान किया जा सके।

संस्कार भारती माघ मेला मंच पर रामायण का शानदार मंचन देख दर्शक हुए भाव विभोर

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। माघ मेले में चल रहे संस्कार भारती के 11 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम तीरथ राजु चलो रे के तहत चौथे दिन

मंगलवार को मुख्य अतिथि डॉ धीरेंद्र कुमार तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथियों में आलोक शंकर मिश्रा एवं मनोज कपूर ने मंच की शोभा बढ़ाई । मुख्य अतिथि एवं विशेषता अतिथियों का मंच पर स्वागत करने में प्रांत संयोजक लोक कला विभाग सुशील राय, कोषाध्यक्ष शम्भूनाथ श्रीवास्तव दृश्य कला संयोजक एवं मीडिया प्रभारी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने अंगवस्त्र से सम्मानित किया। अतिथियों ने कहा अगर मनुष्य के अंदर संस्कार है तो सब कुछ है। संस्कार भारती यही लक्ष्य लेकर आगे चल रही है।

प्रथम प्रस्तुति सिलचर असम, उत्तर प्रदेश हिमाचल के लोक नृत्य में शिव स्तुति एवं संगीत कलाकारों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। दोपहर में वाद्य यंत्र प्रतियोगिता संपन्न हुई प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार प्राप्त विजेताओं को प्रमाणपत और मेडल देकर सम्मानित किया गया। द्वितीय प्रस्तुति रामायण की भव्य प्रस्तुति देख श्रोता झूम उठे।

वंदेमातरम् चित्रकला कार्यशाला के संयोजक रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि मेंटोर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.सचिन सैनी के मार्गदर्शन में चित्रकला कार्यशाला में वंदे मातरम पेंटिंग की शानदार चित्रण पांच कलाकारों पूर्ण किया जिसे लखनऊ मंत्रालय प्रदर्शनी हेतु भेज दिया गया है ।जिसका उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा उद्घाटन करेंगे। मंच संचालन महामंत्री विभव मिश्रा ने किया पदाधिकारियों में कला संयोजक कलाकार रवीद्र कुशवाहा, प्रान्त संगठन मंत्री दीपक शर्मा, सुशील राय, विशाल यादव (धरती मां को चूमन वाला) प्रियंका चौहान, रागिनी चंद्रा संदीपमा वर्मा, डॉ.रश्मि शुक्ला, रंजना त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

एमबीबीएस में दाखिले की सनकः युवक ने खुद का पैर काटकर रची दिव्यांग बनने की साजिश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेडिकल की पढ़ाई में दाखिले की सनक एक युवक को इस हद तक ले गई कि उसने खुद को दिव्यांग बनाने के लिए अपना ही पैर काट लिया।

मामला सामने आने पर न केवल पुलिस, बल्कि पूरा जिला स्तब्ध रह गया। हालांकि जौनपुर पुलिस की सतर्कता और गहन जांच ने इस खौफनाक साजिश का पदार्फाश कर दिया। घटना लाइन बाजार थाना क्षेत्र के खलीलपुर गांव की है। गांव निवासी सूरज भास्कर ने पुलिस को सूचना दी थी कि देर रात कुछ अज्ञात बदमाश उसके निमार्णाधीन मकान में घुसे, उसकी बेरहमी से पिटाई की, बेहोश किया और उसका पैर का पंजा काटकर साथ ले गए। इस सनसनीखेज सूचना के बाद पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की जांच की जिम्मेदारी सीओ नगर गोल्डी गुप्ता को सौंपी गई। जांच के दौरान पुलिस को युवक की कहानी में कई विरोधाभास मिले। मोबाइल फोन की जांच में एक युवती का नंबर मिला, जिससे पूछताछ के बाद शक और गहराया। इसी बीच पुलिस को सूरज की एक डायरी भी मिली, जिसमें उसने लिखा था–2026 में मैं एमबीबीएस बनकर रहूंगा। पुलिस जांच में सामने आया कि सूरज पहले से मेडिकल की पढ़ाई कर चुका था, लेकिन एमबीबीएस में दो बार असफल होने के बाद वह मानसिक तनाव में आ गया था। एमबीबीएस में दाखिले के लिए दिव्यांग कोटे का लाभ लेने की नीयत से उसने खुद को दिव्यांग साबित करने की खौफनाक योजना बनाई। इसी योजना के तहत उसने खुद ही अपना पैर काट लिया और पूरी घटना को बदमाशों की वारदात दिखाने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार युवक ने जांच को गुमराह करने के लिए झूठी कहानी भी गढ़ी थी, लेकिन साक्ष्यों और कड़ी पूछताछ के आगे उसका दावा टिक नहीं सका। पुलिस ने साजिश का खुलासा करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। यह मामला न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह भी सवाल खड़ा करता है कि डिग्री पाने की होड़ इंसान को किस हद तक खुद के ही खिलाफ खड़ा कर सकती है।

मेहनाजपुर की सियासत में उबाल

बसपा के भावी प्रत्याशी अमजद अहमद के जनसंपर्क से विरोधी खेमों में मची खलबली

मेहनाजपुर,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। तरवां ब्लाक में जिला पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र मेहनाजपुर से बसपा के भावी लोक प्रिय प्रत्याशी अमजद अहमद का लगातार जनसंपर्क अभियान अब चुनावी चर्चा का सबसे बड़ा मुद्दा बन चुका है। उनके सक्रियता भरे कदमों से विरोधी खेमों में साफ तौर पर हलचल देखी जा रही है। आपको बता दें कि स्थानीय सूत्रों और राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का जिला पंचायत चुनाव पिछले सभी चुनावों से कहीं ज्यादा दिलचस्प और शानदार साबित होने वाला है।

इसकी सबसे बड़ी वजह मानी जा रही है कि अमजद अहमद का जमीनी स्तर पर उतरकर जनता से सीधा जुड़ाव जनसंपर्क करना।

आपको बता दे कि अमजद अहमद सिर्फ बैठकों और सभाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे हर गांव, हर टोले मुहल्लों में पहुंचकर लोगों के सुख-दुख में शामिल हो रहे हैं, समस्याएं सुनकर तत्काल समाधान का भरोसा दिला रहे हैं, और बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग से संवाद स्थापित कर रहे हैं। युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के बीच उनकी बढ़ती लोक प्रियता स्वीकार्यता ने विरोधी खेमों को रणनीति बदलने पर मजबूर कर दिया है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि जिस तरह से समाजसेवी अमजद अहमद लगातार धरातल पर सक्रिय हैं, उन्होंने जिला पंचायत महाप्रधानी के चुनाव को एकतरफा कर दिया है स्थानीय लोगों का कहना है- अब चुनाव पोस्टर और भाषण से नहीं, लोगों के बीच रहकर लड़ा जा रहा है। फिलहाल जिला पंचायत क्षेत्र मेहनाजपुर की राजनीति में इतना तो तय है कि हर दिन नई करवट ले रही सियासी तस्वीर, और अमजद अहमद की सक्रियता ने इस चुनाव को अब तक का सबसे चर्चित चुनाव बना दिया है।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मनाई गई 129वीं जयंती

काकोरी-ऐक्शन शताब्दी वर्ष आयोजन समिति ने बाइक रैली व जनसभा का किया आयोजन

बदलापुर,तेजीबाजार, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर में आजादी आन्दोलन के गैर समझौतावादी धारा के महानायक नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 129 वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रवादी नौजवान सभा और काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष आयोजन समिति जौनपुर की ओर से आज 23 जनवरी 2026 को बाईक जुलूस व जन सभा का आयोजन किया गया। बाईक जुलूस की शुरूआत सिंगरामऊ से की गई, जो कुशहां, बटाऊबीर, बदलापुर, कलिंजरा होते हुए तेजीबाजार तक गया। दूसरा बाइक जुलूस सराय पड़री से शुरू करके गद्दोपुर, महराजगंज, लोहिंदा होते हुए तेजीबाजार तक गया। दोनों बाइक जूलूसों के पहुंचने के बाद तेजीबाजार मेंनेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा के समक्ष जन सभा हुई। जिसमें काफी संख्या में छात्र नौजवानों ने भाग लिया। जन सभा शुरू होने के पहले नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा पर सैकड़ों लोगों ने माल्यार्पण किए। इस अवसर पर राष्ट्रवादी नौजवान सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण भी मौजूद रहे।

जन सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आजादी आंदोलन में नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जीवन कठिन संघर्षों से भरा रहा। वे बचपन में अपने घर के पास रास्ते में रोजाना एक बूढ़ी मां को भीख मांगते देखकर द्रवित जाते और अपने स्कूल का टिफिन प्रतिदिन दे देते और सोचा करते कि कब हमारे समाज से इस तरह की गैर बराबरी खत्म होगी। दूसरी घटना, जो उन्हें प्रभावित किया, वह थी महान क्रांतिकारी खुदीराम बोस की सबसे कम उम्र में फांसी। इसके अलावा आस-पास हो रहे अन्याय-अत्याचार देखकर उनके मन में अंग्रेजों के प्रति नफरत पैदा हो गई। उन्होंने कहा था- झूठ और अन्याय के साथ समझौता करना जघन्यतम अपराध है। इस तरह राजनैतिक संघर्ष में जब वे 1938 में कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन में अध्यक्ष चुने गये, तो उन्होंने आह्वान किया कि हमारा पहला लक्ष्य है पूर्ण स्वराज्य हासिल करना और उसके बाद भारत में समाजवाद कायम करना। इसीलिए उन्होंने कहा था- मैं अपने बचपन में

अंग्रेजों को देश से खदेड़ देना ही सबसे बड़ा कर्त्तव्य समझता था। लेकिन बाद में सोचकर देखा कि अंग्रेजों को खदेड़ देने मात्र से ही हमारे कर्त्तव्य समाप्त नहीं हो जायेंगे। भारत में नयी समाज व्यवस्था लागू करने के लिए एक और क्रांति की जरूरत होगी। लेकिन आजादी के 78 वर्षों के बाद भी नेताजी सुभाषचंद्र बोस सहित हमारे देश के तमाम महान स्वतंत्रता सेनानियों व क्रांतिकारियों का सपना पूरा नहीं हुआ। आज भी बूढ़ी मां स्वरूप महिलाएं बेसहारा बनकर भीख मांगने पर मजबूर हैं। महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महंगाई चरम पर है। शिक्षा व रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं हैं। समाज में नैतिक पतन व गुण्डागर्दी व्याप्त है। लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हो रहा है। इस तरह शोषण व अन्याय पर आधारित व्यवस्था कायम है और चंद धन्नासेठ मालिक बन बैठे हैं। परिणामस्वरुप आम जनता त्राहि त्राहि कर रही है। इसलिए आज समय की मांग है कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जीवन संघर्षों से सीख लेकर उनके क्रांतिकारी विचारों के आधार पर लोगों को संगठित करें और जन समस्याओं के खिलाफ संघर्ष तेज करें।

कार्यक्रम का संचालन प्रमोद कुमार शुक्ल ने किया। कार्यक्रम को नवीन सिंह(अध्यक्ष राष्ट्रवादी नौजवान सभा), प्रमेन्द्र सिंह (पम्मू) चितौड़ी, दिलीप कुमार खरवार, देवव्रत निषाद, कुंवर आजाद सिंह(वीआईपी), कृष्णा सिंह ने सम्बोधित किए। अंजली सरोज, जिमी गुप्ता ने क्रांतिकारी व देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर इन्दुकुमार शुक्ल, राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, अपूर्व कुमार दुबे, संतोष कुमार प्रजापति, मीता गुप्ता, पूनम प्रजापति, दिवाकर सिंह, जटाशंकर सिंह, नवीन गुप्ता, नवीन सिंह, शिवभवन सिंह, राजबहादुर विश्वकर्मा, राकेश निषाद, विनोद मौर्य, प्रवीण सिंह, विजयप्रकाश गुप्त, इदरीश, रहमान, देवव्रत निषाद, संजय सिंह, शमीम अहमद, नन्हकूराम, कुमकुम गुप्ता, पायल, दीक्षा खरवार, श्वेता विश्वकर्मा, एकता सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

देश के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी को अद्वितीय योगदान के लिए सदैव याद किया जाएगा: श्यामबहादुर पाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में जिला कार्यालय सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी क्रांतिकारी नेता आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती सपा ज़िला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल जी की अध्यक्षता मनाई गई। सर्वप्रथम उपस्थित सभी पार्टीजनों से नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

तत्पश्चात ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने गोष्ठी आयोजित कर उनके जीवन दर्शन पर चर्चा कराते हुए उनके आदर्शों पर चलने का पुनः संकल्प दिलाया।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए ज़िला उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल ने कहा कि यह दिन भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके अद्वितीय योगदान को याद करने का अवसर है। नेताजी को ह्लआजाद हिंद फौजह्न के संस्थापक और एक निर्भीक क्रांतिकारी नेता के रूप में जाना जाता है। नेताजी प्रत्येक भारतीय के लिए आदर्श होने के साथ साथ छात्रों के लिए एक मार्गदर्शक और आदर्श शिक्षक के तौर पर भी भारतीय समाज में स्थापित हैं। हमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और विचारों से मिलने वाली शिक्षाओं को ग्रहण करने की आवश्यकता है। आज हम सब समाजवादी उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। गोष्ठी में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, पूर्व ज़िला उपाध्यक्ष अनवारूल हक गुड्डू, नगर अध्यक्ष कमालुद्दीन अंसारी, युवा नेता दीपक विश्वकर्मा, धर्मेंद्र सोनकर, धीरज बिंद, मालिक अंसारी, शम्स तबरेज सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

हमारी सड़कों पर दुर्घटनाओं को कम करना: अमित थट्टे ने कैटालिन के सुरक्षा समाधानों के बारे में बताया

मुंबई। सड़क सुरक्षा भारत की सबसे जरूरी लेकिन नजरअंदाज की जाने वाली चुनौतियों में से एक है। इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स के अनुसार, कई दुर्घटनाएं सिर्फ.लापरवाही से गाड़ी चलाने से नहीं, बल्कि खराब सड़क डिजाइन और कम विज़िबिलिटी के कारण होती हैं। कैटालिन के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित थट्टे का मानना है कि समाधान सिर्फ.प्रतिक्रिया में नहीं, बल्कि रोकथाम में है। थट्टे कहते हैं, कैटालिन में, हमारा मानना है कि सड़क सुरक्षा दुर्घटना होने से पहले शुरू होती है। एम्बुलेंस और इमरजेंसी सेवाएं महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे दुर्घटना के बाद आती हैं। हमारा मिशन इंजीनियरिंग-आधारित सुरक्षा समाधानों के माध्यम से दुर्घटनाओं की संभावना को कम करना है। थट्टे बताते हैं कि ज्यादातर दुर्घटनाएं पहचानने योग्य इंफ्रास्ट्रक्चर समस्याओं से जुड़ी होती हैं, जैसे कि धुंधले रोड मार्किंग, गायब साइनेज, बिना चेतावनी के तीखे मोड़, रात में कम विज़िबिलिटी, और अपर्याप्त लेन गाइडेंस। ४ये ऐसी समस्याएं नहीं हैं जिनसे बचा नहीं जा सकता। ये डिजाइन की कमियां हैं, और इन्हें ठीक किया जा सकता है, वे आगे कहते हैं। कैटालिन के हस्तक्षेप वैज्ञानिक रूप से समर्थित समाधानों पर केंद्रित हैं जैसे कि गीले-रिफ्लेक्टिव रोड मार्किंग, हाई-इंडेक्स रिफ्लेक्टर वाले ऊंचे फुटपाथ मार्कर, प्रोफाइल और रिब लाइनें, शोल्डर रंबल स्ट्रिप्स, हाई-फ्रिक्शन सरफेसिंग, और कलर-कोडेड हॉरिज़ॉन्टल साइनेज। ये उपाय ड्राइवरों के व्यवहार को सहज रूप से निर्देशित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, खासकर बारिश, कोहरे या रात में ड्राइविंग जैसी कम विज़िबिलिटी की स्थितियों के दौरान। भारत में कई प्रोजेक्ट्स के कंपनी डेटा के अनुसार, ऐसे हस्तक्षेपों से दुर्घटनाओं में 30% से 70% तक की कमी आई है। 1999 में स्थापित, कैटालिन ने एक रोड मार्किंग सामग्री और निष्पादन कंपनी के रूप में शुरूआत की। पिछले दो दशकों में, यह एक बढ़ते वैश्विक पदचिह्न के साथ एक व्यापक सड़क सुरक्षा समाधान प्रदाता के रूप में विकसित हुई है। थट्टे कहते हैं, हमारा विकास अनुसंधान, नवाचार और जीवन बचाने की प्रतिबद्धता से प्रेरित रहा है। आगे देखते हुए, कैटालिन का विजन सड़क सुरक्षा के लिए एक समग्र, 360-डिग्री दृष्टिकोण के माध्यम से सुरक्षित सड़कें बनाना है।

आईडब्ल्यूडीसी 3.0 की तीसरी बैठक में भारत के अंतदेर्शीय जल परिवहन नेटवर्क का विस्तार होगा

मुंबई/कोच्चि। अंतदेर्शीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी 3.0) की तीसरी बैठक भारत के अंतदेर्शीय जल परिवहन नेटवर्क के विस्तार, प्रमुख अवसंरचना निवेशों को मंजूरी देने और देश की नदियों की पूरी आर्थिक क्षमता को उजागर करने के लिए केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने के लिए एक व्यापक रोडमैप के साथ संपन्न हुई। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सरबानंदा सोनोवाल की अध्यक्षता में हुई इस पूर्ण दिवसीय बैठक में हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री; बिहार सरकार के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार; नागालैंड सरकार के विद्युत और संसदीय कार्य मंत्री के. जी. केन्ये; अरुणाचल प्रदेश सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री ओजिंग तासिंग; और पंजाब सरकार के जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल; उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह भी उपस्थित थे। यह बैठक सतत और कुशल लॉजिस्टिक के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में अंतदेर्शीय जल

परिवहन को मजबूत करने की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। आईडब्ल्यूडीसी 3.0 ने हरित परिवहन को गति देने, बहुआयामी लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने और नदी आधारित आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1,500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की पहचान की। केरल, गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा और तेलंगाना में नदी क्रूज जेटियों सहित 150 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई, जो देश भर में क्रूज पर्यटन सर्किट के विस्तार में सहायक होंगी। परिषद ने आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी (रा.ज.-4) पर स्थित मुक्त्याला और हरिश्चंद्रपुरम में रो-रो और कार्गो टर्मिनलों के विकास की घोषणा की जिससे 150 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ कम दूरी के कार्गो परिवहन को मजबूती मिलेगी। जम्मू और कश्मीर में झेलम नदी (रा.ज.49) पर तटवर्ती सुविधाओं को भी यात्री परिवहन और पर्यटन अवसंरचना को समर्थन देने के लिए मंजूरी दी गई। नौगम्यता, सुरक्षा और साल भर परिचालन को बेहतर बनाने के लिए ?465 करोड़ से अधिक की परिसंपत्ति खरीद को मंजूरी दी गई। इनमें केरल में सर्वेक्षण जलयान, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में रो-पैक्स बर्थिंग जेट्टी, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में फ्लोटिंग पोंटून और क्विक पोटून ओपनिंग सिस्टम, हाइब्रिड सर्वेक्षण जलयान, उभयचर और कटर सक्शन ड्रेजर, और टग-बार्ज इकाइयां शामिल हैं। परिषद ने 900 करोड़ रुपये से अधिक की कई बड़ी नई परियोजनाओं को भी मंजूरी दी, जिनमें कोच्चि में स्लिपवे सुविधा का विकास, ओडिशा (25) और पूर्वोत्तर (85) में 110 जेट्टी का निर्माण, जम्मू-कश्मीर में 10 हाइब्रिड इलेक्ट्रिक जलयानों की तैनाती और महाराष्ट्र में राष्ट्रीय नदी यातायात और नौवहन प्रणाली (एनआरटीएनएस) का कार्यान्वयन शामिल है। असम के लिए, आईडब्ल्यूडीसी ने गुवाहाटी के उजान बाजार घाट पर 70 करोड़ रुपये के क्रूज टर्मिनल के विकास और बोगीबील तक 144 करोड़ रुपये की एप्रोच रोड संपर्क परियोजना ब्रह्मपुत्र नदी (रा.ज.-2) पर डिब्रूगढ़ में नदी बंदरगाह का निर्माण असम के अंतदेर्शीय जलमार्ग अवरंचना ढांचे और पर्यटन क्षमता को और मजबूत करेगा। परिषद को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री सवार्नंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतदेर्शीय जलमार्ग भारत के परिवहन और लॉजिस्टिक परिवर्तन के एक कार्यनीतिक स्तंभ के रूप में उभरे हैं। हमारे ऊजार्वान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अंतदेर्शीय जलमार्गों को विशेष प्रोत्साहन दिया है, जिससे सड़कों पर भीड़ कम हुई है, लॉजिस्टिक लागत में कमी आई है और व्यापार करने में सुगमता बढ़ी है।

मोटोरोला Signature ने DXOMARK* से गोल्ड लेबल कैमरा मान्यता के साथ इमेजिंग में नया वैश्विक बेंचमार्क स्थापित किया

मुंबई। मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर तथा भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, ने आज भारत में Motorola Signature को लॉन्च किया है। यह अल्ट्रा-प्रीमियम फ्लैगशिप स्मार्टफोन बेहद लग्जरी है, और अपने सेगमेंट में एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है। इसे उन उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन किया गया है जो बेजोड़ उत्कृष्टता चाहते हैं, सिग्नेचर फ्लैगशिप अनुभव को दुनिया के पहले कैमरा इनोवेशन, शानदार लग्जरी क्राफ्टमैनशिप, नेक्स्ट-जेनरेशन परफॉर्मेंस और क्यूरेटेड लाइफस्टाइल प्रिविलेज के साथ फिर से परिभाषित करता है। इस प्रीमियम इकोसिस्टम को और मजबूत करते हुए, मोटोरोला ने moto watch powered by Polar भी लॉन्च की है, जो टाइमलेस वॉच डिजाइन में सेगमेंट-अग्रणी वेलनेस ट्रैकिंग देती है। Motorola Signature में दुनिया का एकमात्र ट्रिपल सोनी LYTIA™ प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम है, जिसे DXOMARK गोल्ड लेबल सर्टिफिकेशन की मान्यता मिली है और वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में यह असाधारण फोटो और वीडियो परफॉर्मेंस देता है। DXOMARK के कैमरा परफॉर्मेंस इंडेक्स पर 164 के कैमरा स्कोर के साथ, Motorola Signature 100,000 रुपये के सेगमेंट में भारत का नंबर 1 कैमरा फोन बन गया है। सिस्टम के केंद्र में 50MP सोनी LYTIA™ 828 मेन कैमरा है, जो अब तक का सबसे बड़ा 50MP सेंसर है। यह सिनेमैटिक इमेजिंग देता है, जिसमें डॉल्बी विजन® वीडियो रिकॉर्डिंग 8K और 4K में 60fps तक, क्वाड पिक्सल टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड नॉइज रिडक्शन और 3.5° ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन शामिल है, जो किसी भी तरह की रौशनी में बेहद सटीक परिणाम देता है।

नालासोपारा में श्री मद्भागवत कथा संपन्न

-प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू महासंघ अंतर्गत हिंदू युवा वाहिनी एवं संकल्प प्रतिष्ठान मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में नालासोपारा पूर्व में 13 जनवरी से 20 जनवरी तक आयोजित शिवशक्ति अर्धनारीश्वर मानवकल्याण महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में विश्व की द्वितीय किन्नर कथावाचक महामंडलेश्वर हेमलता शरण सखी ने कथा प्रेमियों को सात दिन तक कथा का रसपान कराया। कथावाचक महामंडलेश्वर हेमलता शरण सखी ने उद्धव चरित्र, महारासलीला, रुक्मिणी विवाह आदि का वर्णन किया। रुक्मिणी विवाह का वर्णन करते हुऐ कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सभी राजाओं को हराकर विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी को द्वारका में लाकर उनका विधिपूर्वक पाणिग्रहण किया। कथा के मंच पर आकर्षक वेश-भूषा में श्रीकृष्ण व रुक्मिणी विवाह की झांकी प्रस्तुत कर विवाह संस्कार की रस्मों को पूरा किया गया। उक्त आयोजन नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे के नेतृत्व में किया गया। सखी ने कहा कि गोपियों ने भगवान श्रीकृष्ण से उन्हें पति रूप में पाने की इच्छा प्रकट की, भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों की इस कामना को पूरी करने का वचन दिया,अपने वचन को पूरा करने के लिए भगवान ने महारास का आयोजन किया। इसके लिए शरद पूर्णिमा की रात को यमुना तट पर गोपियों को मिलने के लिए कहा गया, सभी गोपियां सज-धजकर नियत समय पर यमुना तट पर पहुंच गई। कृष्ण की बांसुरी की धुन सुनकर सभी गोपियां अपनी सुध-बुध खोकर कृष्ण के पास पहुंच गई। स्वयं भगवान भोलेनाथ भी गोपीरूप धारण कर वहाँ पहुँच गए। सभी गोपियों के मन में कृष्ण के नजदीक जाने, उनसे प्रेम करने का भाव तो जागा, लेकिन यह पूरी तरह वासना रहित था। इस उपलक्ष्य में उनका प्रयागराज से पधारे श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर संत अविराम दास जी महाराज द्वारा पट्टा-अभिषेक किया गया। कथा स्थल पर एक स्वागत कक्ष बनाया गया था, जहां सभी कथा प्रेमियों को तिलक लगाया जाता था। तिलक लगाने वाला व्यक्ति बनारस से खासकर बुलाया गया था, जो दो से ढाई हजार तरीके से तिलक लगाता है, जो कथा स्थल पर आकर्षण का केंद्र बना । आयोजन में प्रतिदिन सुबह 8 से दोपहर बजे तक यज्ञशाला में अनुष्ठान और विधिवत यज्ञ किया गया। यज्ञ में हर रोज आहुति डालने के लिए भक्त पहुंच रहे थे । 13 जनवरी को प्रातः मंडप प्रवेश एवं देवताओं का आवाहन किया गया. इसके बाद अरणी मंथन से अग्नि को प्रकट करके महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। 'परोपकाराय इदम शरीरं'. कार्यक्रम का आयोजन विशुद्ध रूप से मानव कल्याण एवं जगत के सचराचर प्राणियों के कल्याण हेतु किया गया। प्रतिदिन भक्त यज्ञ की परिक्रमा करने आ रहे थे। कार्यक्रम का सफल संयोजन अमित ओमप्रकाश दुबे ने किया जिसमें आशुतोष अजय रोकडे, अभिजीत अजय रोकडे, गोरखनाथ दुबे, ऋषभ तिवारी, ऋषभ मिश्रा,दीपक माने, महेश प्रजापती, पं साहब लाल तिवारी पूर्व प्रदेश संयोजक हिंदू युवा वाहिनी महाराष्ट्र , डॉक्टर पीयूष सिंह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हिंदू युवा वाहिनी महाराष्ट्र, विकास यादव शिव मूर्ति एजुकेशनल ट्रस्ट, श्रवण सिंह, रिषभ तिवारी ने दिनरात परिश्रम कर उन्हे सहयोग किया।

डीसीएम व ई-रिक्शा में हुई भिड़ंत, दो की मौत तीन घायल

-नान बाबू चौहान

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जनपद थाना गौरा चौराहा के अन्तर्गत पिपरा व जैतापुर के बीच विशुनपुर में बीती रात समय करीब 10:00 बजे डीसीएम नंबर यूपी 41 एटी 2506 द्वारा एक ई रिक्शा को ठोकर मार दिया। जिससे ई रिक्शा में बैठे 05 लोगों को गंभीर चोटे आई है सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी नंदनगर पहुंचाया गया। जबकि रिक्शा में बैठे भभूति चौहान पुत्र अलगू चौहान उम्र 45 वर्ष व कंचन पत्नी कमलेश चौहान उम्र 38 वर्ष निवासीगण ग्राम गागापुर थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर को डॉक्टर द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। तीन अन्य घायल भानमती पत्नी अनुज चौहान उम्र 50 वर्ष, उर्मिला पत्नी कल्लू उम्र 32 वर्ष, निवासीगण गागापुर थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर, बरकत अली पुत्र रमजान उम्र 45 वर्ष निवासी बीजौरा थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर को विशेष इलाज के लिए बलरामपुर जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचकर घायलों की मदद करते हुए रास्ता खाली करा दिया गया। आवागमन बहाल करा दिया गया। वहीं सूचना मिलते ही परिजन मौके पर आ गए है। सीएचसी से मेमो प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही शुरु कर दी गयी। प्रभारी थाना अध्यक्ष हरीश सिंह ने बताया कि मौके पर शान्ति व्यवस्था कायम है अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ब्राह्मण उत्पाती मार्तंड व वैदिक ग्रंथों में शिल्पकारों का उल्लेख

सामाजिक न्याय पर विश्वकर्मा समाज ने उठाए सवाल

-लालशेखर सिंह

मुंबई। प्राचीन ग्रंथ ब्राह्मण उत्पाती मार्तंड सहित वेदों, उपनिषदों, पुराणों और अन्य शास्त्रों में शिल्पकारों को ब्राह्मण स्वरूप तथा वैदिक ज्ञान परंपरा से जुड़ा बताया गया है। इसके बावजूद वर्तमान सामाजिक व्यवस्था में विश्वकर्मा समाज को हाशिये पर रखे जाने को लेकर समाज के लोगों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। विश्वकर्मा समाज के सामाजिक कार्यकताओं और बुद्धिजीवियों का कहना है कि जब शास्त्रों में शिल्प, वास्तुकला और सृष्टि-रचना को वैदिक परंपरा का अभिन्न अंग माना गया है, तो उससे जुड़े समाज को आज उसका उचित अधिकार और सम्मान क्यों नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि शास्त्रीय प्रमाणों में शिल्पकारों के योगदान का स्पष्ट उल्लेख होने के बावजूद सामाजिक ढांचे में उनके साथ भेदभाव चिंताजनक है।

कार्यकताओं ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का रचयिता और देवताओं का शिल्पी माना जाता है। ऐसे में उनके वंशज माने जाने वाले शिल्पकारों को सामाजिक रूप से अलग-थलग किया जाना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के भी विपरीत है। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा का नाम पूजनीय है, लेकिन उनके समाज को आज भी अपेक्षित सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं मिल सकी है।

समाज के लोगों ने पूर्व और वर्तमान सरकारों से इस विषय पर गंभीरता से विचार करने की मांग की है। उनका कहना है कि शास्त्रीय साक्ष्यों के आधार पर विश्वकर्मा समाज की वास्तविक सामाजिक पहचान को स्वीकार किया जाए और शिक्षा, रोजगार तथा सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में समान अवसर सुनिश्चित किए जाएं।

विद्वानों का मत है कि वैदिक ग्रंथों और ब्राह्मण उत्पाती मार्तंड में शिल्पकारों से जुड़े उल्लेख भारतीय संस्कृति की समावेशी सोच को दशार्ते हैं। उन्होंने कहा कि इन शास्त्रीय साक्ष्यों का गहन अध्ययन कर ऐतिहासिक तथ्यों के अनुरूप सामाजिक व्यवस्था का पुनर्मूल्यांकन संभव है।

महाराष्ट्र राष्ट्र ग्रंथ नाटक के जरिए देश भर में संवैधानिक साक्षरता का आंदोलन शुरू करने के लिए तैयार है

मुंबई। गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले, आर्टिस्टिक ह्यूमन्स और शुभलाभ के कल्चरली ने असरदार मराठी नाटक राष्ट्र ग्रंथ के पब्लिक लॉन्च की घोषणा की है। इस प्रोडक्शन का मुख्य मकसद संवैधानिक जागरूकता और नागरिक जुड़ाव बढ़ाना है। यह भारतीय संविधान पर आधारित देश का पहला बड़ा नाटक है और पिछले साल 26 जनवरी को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के पोते भीमराव यशवंत अंबेडकर की मौजूदगी में इसका अनावरण किया गया था। इसके बाद, महाराष्ट्र सरकार के कल्चरल अफेयर्स डिपार्टमेंट के साथ मिलकर, नागरिकों का फीडबैक और सुझाव लेने के लिए इसे राज्य के 9 जिलों में पायलट बेसिस पर मुफ्त में आजमाया गया। इन एक्सपेरिमेंट्स को मिले अच्छे रिस्पॉन्स के बाद, अब फरवरी 2026 से, यह नाटक पूरे महाराष्ट्र में कमर्शियल फॉर्मेट में पब्लिकली परफॉर्म करने के लिए तैयार है। आर्टिस्टिक ह्यूमन्स दर्शन महाजन का बनाया और सोचा हुआ नाटक राष्ट्रग्रंथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के मुताबिक है। प्रधानमंत्री ने संविधान को अपना गाइडिंग लाइट कहा है और बार-बार संवैधानिक जागरूकता की तुरंत जरूरत पर जोर दिया है। नाटक 'राष्ट्रग्रंथ' संविधान के मूल्यों को सिर्फ.लिखे हुए टेक्स्ट तक सीमित रखने के बजाय, उन्हें एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव में बदल देता है। यह नाटक सभी उम्र के नागरिकों, खासकर युवाओं को, उन सिद्धांतों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है जो भारत को एक साथ जोड़ते हैं और इसके नागरिकों को मजबूत बनाते हैं। यह 120 मिनट का दो-एक्ट वाला थ्रिलर दर्शकों को भारत के इतिहास और आज के समय में संविधान के साथ इसके रिश्ते की एक दिलचस्प यात्रा पर ले जाता है। नाटक 'राष्ट्रग्रंथ' के राष्ट्रीय महत्व, सामाजिक प्रभाव और संस्थागत क्रेडिबिलिटी को ध्यान में रखते हुए, इस नाटक को महाराष्ट्र राज्य के माननीय मुख्यमंत्री ऑफिस द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों से जोड़ने के लिए थिएटर को एक असरदार माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने के लिए आयोजकों की तारीफ की है। अपने मैसेज में मुख्यमंत्री ने कहा कि ४संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य, सामाजिक न्याय, जेंडर इक्वालिटी, डेमोक्रेसी, जाति और नागरिकों के अधिकार जैसे जरूरी टॉपिक को बहुत असरदार और अच्छे तरीके से मंच पर लाने के लिए 'आर्टिस्टिक ह्यूमन्स' की कोशिशें सच में तारीफ के काबिल हैं।

गुरुकुल सिद्धनाथ आश्रम इंदौर के संचालक का अवतरण दिवस मनाया गया

प्रणीत तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। स्वामी निश्चलानंद सरस्वतीजी के प्रिय शिष्य, गुरुकुल सिद्धनाथ आश्रम,इंदौर के संचालक बाबा प्रवणानंद प्रकाश का जन्मदिवस आश्रम पर मनाया गया, सुबह से ही पूजन अर्चन का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जो देर रात तक चला, आश्रम पर भक्तों ने गुरुदेव का अभिवादन कर उनसे आशीष प्राप्त किया। इस अवसर पर संक्षिप्त उद्बोधन में गुरुदेव ने हिंदू जीवनपद्धति को आचरण मे लाने और सनातन धर्म से सरोकार रखने को ही ईश्वर के निकट रहने का मार्ग बताया, उन्होंने बताया कि हिन्दू एकता राष्ट्र कल्याण के लिए सबसे आवश्यक है, आश्रम पर इस शुभ घड़ी मे गौ सेवकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जल कार्य समिति प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा, पार्षद शानू शर्मा, पूर्व नगर मंत्री बीजेपी नेता वैभव शुक्ला, प्रसिद्ध व्यवसायी सुमित तिवारी, अजय भट्ट, विवेक शर्मा उपस्थित थे।

मराठी ZEE5 ने सदियों पुरानी लोककथा, जुर्म और इंसाफ की जंग पर आधारित अपनी आने वाली ऑरिजिनल सीरीज, देवखेळ का ट्रेलर लॉन्च

ठाणे। मराठी ZEE5 ने आज अपनी आने वाली मराठी ऑरिजिनल सीरीज, देवखेळ का ट्रेलर लॉन्च किया। कोंकण की अनसुनी लोककथा पर आधारित सीरीज, देवखेळ एक जबरदस्त साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसमें परंपरा, अंधविश्वास और जुर्म की जुगलबंदी को शिमगा (होली) के उत्सव के डरावने माहौल में बेहद रोमांचक तरीके से पेश किया गया है। यह सीरीज 30 जनवरी से सिर्फ. ZEE5 पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। देवखेळ की कहानी रत्नागिरी ज़िले में समंदर किनारे बसे एक गाँव, देवतली की है जिसका रहस्य रोंगटे खड़े कर देने वाला है, क्योंकि इस गाँव में हर साल, होली पूर्णिमा की रात किसी की मौत हो जाती है। गाँव के लोग इन मौतों को शंकासुर द्वारा दी गई दैवीय सजा मानते हैं, और वहाँ की सदियों पुरानी लोककथा के अनुसार स्थानीय लोग न्याय के प्रतीक के रूप में उनकी पूजा करते हैं। यह ट्रेलर एक ऐसी दुनिया की झलक दिखाता है जहाँ लोगों की आस्था के सामने तर्क नहीं टिक पाता, डर लोगों को खामोश रहने पर मजबूर करता है, और सच रीति-रिवाजों के नीचे दबा रहता है। फिर गाँव में आने वाले इंस्पेक्टर विश्वास सरंजामे लोगों के इस अंधविश्वास को मौत की वजह मानने से इनकार कर देते हैं, और एक सोची-समझी हत्या के मामले की तरह हर चीज की पड़ताल शुरू करते हैं। इस सीरीज में अंकुश चौधरी ने इंस्पेक्टर विश्वास सरंजामे के रूप में मुख्य किरदार निभाया है, साथ ही प्राजक्ता माली, यतिन डायरेक्टर चंद्रकांत लता गायकवाड़ ने कहा, हमने शंकासुर की स्थानीय परंपरा से प्रेरित होकर देवखेळ का निर्माण किया है – एक ऐसी मान्यता, जिसके अनुसार इंसाफ किसी कानून से नहीं बल्कि ईश्वर की मर्जी से मिलता है। यह सीरीज दिखाती है कि कैसे दिल पर लगी चोट, आस्था और डर इंसान की सोच को एक मिथक का रूप दे सकते हैं। यह सिर्फ. एक जुर्म की कहानी नहीं है, बल्कि जज्बातों और बल्कि मन की गहराईयों को छूने वाला सफर है। इस कहानी को पूरी सच्चाई और निडरता के साथ दर्शकों तक पहुँचाने के लिए मराठी `एए5 एकदम सही प्लेटफॉर्म साबित हुआ है, और अब हमें इंतजार है कि दर्शक भी इस रोमांचक अनुभव का आनंद लें। सीरीज में इंस्पेक्टर विश्वास सरंजामे का किरदार निभाने वाले अंकुश चौधरी ने बताया, देवखेळ जुर्म किसने किया वाली कहानी से कहीं बढ़कर है, क्योंकि इसमें आस्था और तर्क के बीच टकराव को भी दिखाया गया है। दरअसल तर्क और सबूतों को मानने वाले, और कानून पर पूरा भरोसा रखने वाले शख्स, विश्वास सरंजामे को उन लोगों के बीच रहकर काम करना पड़ता है जिनके फैसले डर, आस्था और सदियों पुराने अंधविश्वास पर टिके हैं। मुझे इस किरदार के मन में चल रहे विचारों का टकराव सबसे ज्यादा पसंद आया, क्योंकि वह 'दैवीय शक्ति' पर सवाल उठाने से इनकार करने वाले लोगों के बीच रहते हुए भी सच्चाई का पता लगाना चाहता है।

हाऊसिंग डॉटकॉम ने 15 टियर-2 शहरों में अपनी पहुंच बढ़ाई

मुंबई। भारत के नंबर वन रियल एस्टेट ऐप हाऊसिंग डॉटकॉम ने आज देश भर के 15 हाई-पोटेंशियल टियर-2 शहरों में अपने रणनीतिक विस्तार की घोषणा की। इस कदम का मकसद तेजी से बढ़ते आवासीय बाजारों में हाऊसिंग डॉटकॉम की मौजूदगी को मजबूती देना और महानगरों से परे लाखों नए घर खरीदारों तक संगठित, डिजिटल-फर्स्ट रियल एस्टेट डिस्कवरी पहुंचाना है। नए लॉन्च किए गए बाजारों में आगरा, औरंगाबाद, जबलपुर, जोधपुर, कानपुर, लुधियाना, मदुरै, मैंगलोर, मथुरा, मैसूर, रांची, त्रिची, उदयपुर, वापी और विजयवाड़ा शामिल हैं। इस विस्तार के साथ हाऊसिंग डॉटकॉम अब शहरों के एक बहुत बड़े समूह में स्थानीय प्रॉपर्टी सर्च अनुभव, वेरिफाइड लिस्टिंग और डेटा-समर्थित जानकारी प्रदान करेगा, जिससे किफायती और एस्पिरेशन-ड्रिवन स्थानों में आवास विकल्पों तक आसान पहुंच संभव होगी। पिछले कुछ सालों में टियर-2 शहर भारतीय रियल एस्टेट के लिए महत्वपूर्ण विकास गलियारों के रूप में उभरे हैं। बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश, बेहतर कनेक्टिविटी, औद्योगिक समूहों का विस्तार और तुलनात्मक रूप से कम प्रॉपर्टी कीमतों ने इन बाजारों में घरों की मजबूत मांग पैदा की है। साथ ही, छोटे शहरों में उपभोक्ता प्रॉपर्टी सर्च और निर्णय लेने के लिए तेजी से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे भरोसेमंद डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए एक बड़ा अवसर पैदा हो रहा है। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए आरईए इंडिया (हाऊसिंग डॉटकॉम) के सीईओ प्रवीण शर्मा ने कहा, भारत के आवासीय विकास का अगला चरण बड़े मेट्रो शहरों से परे लिखा जाएगा। उभरते शहरों में घर खरीदार ऑनलाइन प्रॉपर्टी खोजते समय सुविधा, विश्वसनीयता और विकल्पों की तलाश करते हैं। 15 टियर-2 शहरों में विस्तार करके, हाऊसिंग डॉटकॉम रियल एस्टेट डिस्कवरी के लिए एक अधिक समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। हमारा ध्यान उपभोक्ताओं को उच्च-गुणवत्ता वाली लिस्टिंग तक पहुंचने और आत्मविश्वास के साथ सूचित निर्णय लेने में मदद करने पर है।

जसलोक हॉस्पिटल में सुपर ओबेस मरीज का सुरक्षित इलाज

मुंबई। जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने 45 साल की एक महिला की सफलतापूर्वक मोनोपोर्टल एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी की है। महिला को गंभीर कमर दर्द और चलने-फिरने में बहुत समस्या थी। मरीज सुपर ओबेस (बहुत ज्यादा मोटी) थी, उसका वजन 120 किलो था और बीएमआई 52 था, जिससे सर्जरी में बहुत जोखिम था। यह मामला भारत में सबसे ज्यादा बीएमआई वाला रिकॉर्ड है जिसमें यह इंटरलैमिनर एंडोस्कोपिक तकनीक सुरक्षित तरीके से की गई है।

यह महिला मूल रूप से भारत की है और अब जर्मनी में रहती है, अपनी सालाना छुट्टी पर घर आई थी। आने के थोड़े समय बाद ही उसे अचानक गंभीर कमर दर्द शुरू हो गया। दर्द इतना बढ़ गया कि वह मुश्किल से खड़ी या चल पाती थी। शुरूआती जांच में L4–L5 डिस्क हर्नियेशन की पुष्टि हुई, जिसमें नर्व रूट पर बहुत दबाव था। हालांकि ऐसे मामले आमतौर पर सर्जरी से ठीक हो जाते हैं, लेकिन उसके वजन की वजह से उसे सर्जरी का विकल्प नहीं दिया जा रहा था। वह लगभग दो महीने तक बिस्तर पर पड़ी रही और कोई सुधार नहीं हुआ। इतने समय से चलने-फिरने में मजबूतर उस महिला को जर्मनी में अपनी नौकरी खोने का डर था क्योंकि वह वापस यात्रा नहीं कर पा रही थी।फिर उसने जसलोक हॉस्पिटल में इलाज कराया, जहां एंडोस्कोपिक स्पाइन टीम ने उसके मामले की जांच की। सर्जनों ने बताया कि मोनोपोर्टल एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी, जिसमें 1 सेमी से भी कम चीरा लगता है, जटिल बॉडी टाइप वाले मरीजों के लिए भी सुरक्षित और संभव है। इसलिए उसका वजन इलाज में बाधा नहीं बना। मेडिकल लिटरेचर की समीक्षा से पता चला कि वह भारत में इस एंडोस्कोपिक प्रक्रिया से गुजरने वाली सबसे ज्यादा बीएमआई वाली मरीज है, जो जसलोक के न्यूनतम इनवेसिव स्पाइन केयर में नेतृत्व को दिखाता है।

शुक्ला कंपाउंड के झोपड़ावासियों को मिला न्याय, गोपाल शेट्टी ने माना राहुल नार्वेकर का आभार

मुंबई। दहिसर पूर्व के रावलपाड़ा स्थित शुक्ला कंपाउंड परिसर में निष्कासित झोपड़ाधारकों प्रकरण में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा उठाए गए कदम तथा न्याय प्रिय भूमिका को देखते हुए उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद तथा जनप्रिय नेता गोपाल शेट्टी ने उन्हें पत्र लिखकर शुक्ला कंपाउंड के साथ-साथ मुंबई के सभी झोपड़ावासियों की तरफ से आभार बनते हुए धन्यवाद दिया है। विधानसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में श्री शेट्टी ने कहा है कि शुक्ला कंपाउंड परिसर में स्थित झोपड़ाधारकों के अन्यायपूर्ण निष्कासन कार्रवाई के संदर्भ में 22 जनवरी, 2026 को आपकी अध्यक्षता में हुई बैठक में आप द्वारा उठाए गए स्पष्ट व संवैधानिक कदम से लोकतांत्रिक मूल्यों को न सिर्फ ताकत मिली है अपितु गरीब जनता को न्याय मिला है। गोपाल शेट्टी ने कहा कि महाराष्ट्र शासन द्वारा झोपड़ीधारकों को स्लम एक्ट के अंतर्गत संरक्षण प्रदान किए जाने के बावजूद भी, महानगरपालिका के अधिकारियों द्वारा की गई गलत एवं अवैध तोड़क कार्रवाई पर आपने कड़ा संज्ञान लिया। विशेष रूप से संबंधित अधिकारी श्रीमती संध्या नांदेडकर एवं अन्य अधिकारियों से ह्लजब स्लम एक्ट के अंतर्गत संरक्षण उपलब्ध था, तब तोड़क कार्रवाई क्यों की गई ?ह्व ऐसा सीधा एवं कठोर प्रश्न उपस्थित कर, इस पूरे प्रकरण की जांच अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए—ऐसा स्पष्ट निर्देश देना अत्यंत महत्वपूर्ण एवं साहसिक कदम है। श्री शेट्टी ने कहा कि महापालिका आयुक्त भूषण गगराणी की उपस्थिति में तत्काल बैठक आयोजित करने के निर्देश देकर, इस संपूर्ण कार्रवाई के पीछे कहीं कोई पूर्वनियोजित उद्देश्य तो नहीं था, इसकी गहन जांच होनी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष की सराहना करते हुए गोपाल शेट्टी ने कहा कि आपकी भूमिका प्रशासन को जवाबदेह ठहराने वाली एवं आम नागरिकों को न्याय दिलाने वाली है।आपके इस निर्णायक हस्तक्षेप से न केवल शुक्ला कंपाउंड के झोपड़ीधारकों में, बल्कि पूरे मुंबई शहर की झोपड़पट्टियों में निवास करने वाले नागरिकों में शासन के प्रति विश्वास और भरोसा सुदृढ़ हुआ है। सरकार माय-बाप होती है यह भावना आपके कार्य से प्रत्यक्ष रूप में साकार हुई है।

मोटोरोला ने मोटोरोला सिग्नेचर लॉन्च किया

पटना । मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर तथा भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने भारत में मोटोरोला सिग्नेचर को लॉन्च किया है। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी एम नरसिम्हन ने लॉन्च के मौके पर कहा कि मोटोरोला सिग्नेचर के साथ हम भारत में अल्ट्रा-प्रीमियम स्मार्टफोन्स के लिए एक नया बेंचमार्क बना रहे हैं जो सिर्फ फीचर्स से आगे जाता है। यह लॉन्च हमारी मेहनत दिखाता है कि हम विश्वस्तरीय इनोवेशन, अच्छा डिजाइन और सार्थक अनुभव मिलाकर रोज की ज़िंदगी को और बेहतर बनाएं। डीएक्सओमार्क से गोल्ड स्टैण्डर्ड रेटिंग की महत्वपूर्ण कैमरा टेक्नोलॉजी, शानदार परफॉर्मेंस, भारत में पहली बार खास सिग्नेचर क्लब के फायदे और मोटो वाच के साथ वेलनेस-फोकस्ड इकोसिस्टम देकर, हम एक बढ़िया पैकेज दे रहे हैं। यह उन लोगों के लिए है जो अपनी हर चीज में खासियत, अच्छा परफॉर्मेंस और मकसद ढूंढते हैं।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने एक्सप्रेस पोर्टफोलियो का विस्तार किया

मुंबई। भारत की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनियों में से एक, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) ने आज एक्सप्रेस (ढफ्र) को पेट्रोल और सीएनजी वेरिएंट में लॉन्च किया। इसके साथ ही कंपनी ने अपने विशेष रूप से तैयार किए गए फ्लीट पोर्टफोलियो का विस्तार किया है, जो अब तक लोकप्रिय एक्सप्रेस ईवी तक सीमित था। इस कदम का उद्देश्य बड़े बाजार तक पहुंचना और प्रोफेशनल फ्लीट ऑपरेटर्स की विविध जरूरतों को पूरा करना है। यह लॉन्च टीएमपीवी की मल्टी-पावरट्रेन रणनीति को और मजबूत करता है, जिसके तहत कंपनी देशभर के फ्लीट ग्राहकों को कस्टमाइज्ड, हाई-अपटाइम मोबिलिटी समाधान उपलब्ध करा रही है। एक्सप्रेस पेट्रोल और सीएनजी की बुकिंग अब अधिकृत फ्लीट डीलरशिप्स पर शुरू हो चुकी है। इनकी एक्स-शोरूम दिल्ली कीमतें क्रमशः 5.59 लाख रुपए (पेट्रोल) और 6.59 लाख रुपए से शुरू होती हैं, जो इस सेगमेंट में श्रेणी में सबसे बढ़िया मानी जा रही हैं। टीएमपीवी के भरोसेमंद 1.2 लीटर रेवोट्रॉन इंजन से लैस और मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ पेश किए गए एक्सप्रेस पेट्रोल और सीएनजी वेरिएंट्स को खास तौर पर विश्वसनीयता, मजबूती और लंबे समय तक फ्लीट उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। प्रोफेशनल मोबिलिटी को ध्यान में रखते हुए, एक्सप्रेस सीएनजी में सेगमेंट में पहली बार 70 लीटर (वॉटर कैपेसिटी) का ट्विन-सिलेंडर सीएनजी टैंक दिया गया है, जो इस श्रेणी में सबसे अधिक क्षमता प्रदान करता है। इससे बार-बार रिफ्यूलिंग की चिंता कम होती है और लंबी दूरी की यात्रा आसान बनती है। खास बात यह है कि इसका इंटेलिजेंट ट्विन-सिलेंडर पैकेजिंग डिजाइन बेस्ट-इन-सेगमेंट, बिना समझौते वाला बूट स्पेस सुनिश्चित करता है।

दुर्लभ बीमारी से ग्रसित शिशु का जन्म, डॉक्टरों ने बताया साइक्लोपिया सिंड्रोम का मामला

-चंदन जायसवाल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर जनपद की 25 वर्षीय महिला ने एक ऐसे नवजात शिशु को जन्म दिया है, जो एक अत्यंत दुर्लभ जन्मजात बीमारी साइक्लोपिया सिंड्रोम से ग्रसित है। यह डिलीवरी तड़के करीब रात 2 बजे महिला को शाहगंज स्थित सिटी नर्सिंग होम अस्पताल में भर्ती किए जाने के बाद सुबह 10 बजे डॉ सैय्यदा हुमेरा बानो वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा सामान्य प्रसव के माध्यम से कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार साइक्लोपिया सिंड्रोम एक अत्यंत दुर्लभ जन्मजात विकृति है, जिसमें भ्रूण के मस्तिष्क और चेहरे का विकास सामान्य रूप से नहीं हो पाता। इस स्थिति में आंखें पूरी तरह अलग-अलग विकसित नहीं हो पातीं और चेहरे की संरचना असामान्य होती है। यह विकार आमतौर पर गर्भावस्था के शुरूआती चरण में होने वाले विकास संबंधी कारणों से होता है। मामले की जानकारी देने वाले चिकित्सक डॉ. तारिक शेख के अनुसार, यह बीमारी बेहद कम मामलों में देखने को मिलती है और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में भी इसके उपचार की संभावनाएं सीमित होती हैं। उन्होंने बताया कि प्रसव पूरी तरह सामान्य प्रक्रिया से कराया गया। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के मामलों में गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच, अल्ट्रासाउंड और समय पर परामर्श अत्यंत आवश्यक होता है, ताकि किसी भी असामान्यता की पहचान पहले ही की जा सके। यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और चिकित्सा जगत में एक दुर्लभ उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है।

मुलायम सिंह यादव राज्यस्तरीय महिला फुटबाल प्रतियोगिता सम्पन्न

कैमूर को एक गोल से हरा कर झारखंड फाइनल में

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय नार्मल स्कूल के मैदान पर केराकत स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एकेडमी फेडरेशन के तत्वावधान में चल रही मुलायम सिंह यादव राज्यस्तरीय महिला फुटबाल प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में शुक्रवार को झारखंड ने कैमूर की भभुआ को इकलौते गोल से पराजित कर फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। दर्शकों को आज एक बहुत ही अच्छे और उत्कृष्ट खेल देखने को मिला जहां दोनों टीमों के खिलाड़ी अपने पूरे कौशल,दमखम और कला का मुजाहिरा कर रहे थे।खेल के प्रथम हाफ के 37वें मिनट में झारखंड की जर्सी नम्बर 9 की खिलाड़ी मोमिता ने एक मैदानी गोल दाग कर अपनी टीम को 1-0 गोल की बढ़त दिला दिया। बात फाइनल में जाने की थी इस लिए विपक्षी कैमूर तुम की खिलाड़ियों ने भी अपना पूरा दम लगा दिया और कई बार कई खूबसूरत मूव बना कर हमला किया लेकिन किसी भी प्रयास को गोल में तब्दील करने में नाकाम रही।अंततः झारखंड को एक गोल से विजेता घोषित किया गया। मैच के मुख्य अतिथि कांग्रेस पार्टी जौनपुर के जिला अध्यक्ष डाक्टर प्रमोद कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष डाक्टर सन्तोष कुमार गिरी, और दीपेन्द्र सिंह प्रभारी निरीक्षक कोतवाली केराकत नें खिलाड़ियों से परिचय कर खेल की शुरूआत किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष डाक्टर सन्तोष कुमार गिरी नें कहा कि दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने बहुत ही शानदार तरीके से खेल का प्रदर्शन किया गया जो काबिले तारीफ है। और मैं जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर की तरफ से संस्थापक लालजी यादव को दिल से धन्यवाद देता हूं। खेल के निर्णायक मकसूद आलम, अशोक यादव तथा अंकित कुमार रहे संचालन संजय कसौधन ने किया जबकि संस्थापक लालजी जी यादव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर इरशाद भाई, आरिफ सलमानी, ललित चौरसिया, मंगला गुरु, नरेन्द्र प्रताप,सुशील सोनकर, खुर्शीद अहमद खान, आशिष यादव, सूरज सिंह, रामप्रताप सिंह, सहित अन्य लोग मंच पर उपस्थित रहे।

माँ शारदे सेवा संघ द्वारा वार्षिक महोत्सव पर माँ सरस्वती का पूजन

मुंबई। माँ शारदे सेवा संघ द्वारा वार्षिक महोत्सव पर माँ सरस्वती पूजन एवं चतुर्दश बसंत पंचमी महोत्सव का आयोजन इंदिरा नगर न. ३, नाहूर रोड, मुलुंड पश्चिम पर धर्मवीर सुधाकर राय एवं श्रीमति रोशनी राय द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड असोसिएशन मुंबई) को शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सत्कार किया गया। यहाँ आर. एम. पाल एवं मनोज सिंह भी उपस्थित हो कर माँ शारदे का आशीर्वाद प्राप्त किए। इस महोत्सव में पूजन, संकीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन एवं महाप्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मुलुंड के कई समाजसेवी एवं राजनेताओं का आगमन हुआ एवं सत्कार धर्मवीर राय द्वारा किया गया।

दसवें बिहार रंग महोत्सव 2026 आरंभ

पटना। सांस्कृतिक संस्था इमैजिनेशन द्वारा शुक्रवार को सात दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव बिहार रंग महोत्सव - बिहारंगम-2026 का आरंभ नाद संस्था द्वारा लोक संगीत की प्रस्तुति से हुई। तदोपरांत मुख्य मंच पर विनोद राय द्वारा निर्देशित नाटक सूरजमुखी और हैमलेट का बेहतरीन मंचन हुआ। इस बार यह महोत्सव 23 जनवरी से 28 जनवरी, 2026 तक प्रेमचंद रंगशाला, राजेंद्र नगर, पटना में आयोजित हो रहा है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सी सी आर टी के अध्यक्ष विनोद नारायण इंदुरकर, विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध सिनेमा निर्देशक,एडिटर,गीतकार एवं संवाद लेखक अमिताभ वर्मा, वरिष्ठ फिल्म समीक्षक विनोद अनुपम एवं इमेजिनेशन के संरक्षक प्रो० संतोष कुमार आदि मौजूद रहे। बिहार रंग महोत्सव का 10वां संस्करण संस्कृति मंत्रालय (भारत सरकार), कला, संस्कृति एवं युवा विभाग (बिहार सरकार) एवं रेरा,बिहार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं तक्षशिला के सामूहिक महत्वपूर्ण सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र में अवैध शराब के ढाबों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

केडीएमसी और पुलिस विभाग दोनो की हप्ता वसूली

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली शहर में अवैध शराब के ढाबे बड़े धड़ल्ले से चल रहे हैं, जिससे युवा पीढ़ी नशे की ओर जा रही है। इन ढाबों से लाखों की अवैध वसूली भी हो रही है, जो कि चिंताजनक है। नागरिकों का कहना है कि रात भर चलने वाले इन ढाबों में शराब सेवन से युवा पीढ़ी पूरी तरह नशेड़ी बन रही है, जिससे उनके भविष्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इन अवैध ढाबों पर तुरंत कार्रवाई की जाए और शहर को नशे की गिरफ्त से बचाया जाए।

मिली जानकारी के मुताबिक कल्याण और डोंबिवली में युवा पीढ़ी के जीवन मे नासूर बने अवैध ढाबों की इतनी भरमार है । कि गिनती लगा पाना मुश्किल है। पूरे शहर में हर गली मोहल्लों में अवैध शराब के ढाबे खुले हुवे है । ऐसा नही की पुलिस विभाग और केडीएमसी अधिकारियों को इस बात की जानकारी नही है , जानकारी होते हुवे भी ढाबों से दोनों विभागों को लाखों की वसूली हो रही है जिसकी वजह से ऐसे गलत धंधो को दोनों विभाग संरक्षण दे रहे है ऐसा सामाजिक कार्यकर्ता ने नाम न बताने की शर्त पर जानकारी दी है।

ब्लैकआउट मॉकड्रिल से परखी गई आपदा से निपटने की तैयारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आपदा की किसी भी स्थिति से निपटने के लिए जनपद में तैयारियों को परखते हुए नागरिक सुरक्षा बल की ओर से शुक्रवार को पुलिस लाइन मैदान में ब्लैकआउट मॉकड्रिल एवं रिहर्सल अभ्यास का आयोजन किया गया। अभ्यास का उद्देश्य हवाई हमला, आग, बाढ़, भूकंप जैसी आपात परिस्थितियों में नागरिकों और वालंटियरों को सुरक्षित बचाव एवं त्वरित कार्रवाई के लिए प्रशिक्षित करना रहा। अभ्यास में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने स्वयं प्रतिभाग कर लोगों को ब्लैकआउट की महत्ता के बारे में जानकारी दी और वालंटियरों का उत्साहवर्धन किया। वहीं मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खंडिया ने नागरिक सुरक्षा बल की भूमिका और ब्लैकआउट के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का नेतृत्व चीफ वार्डेन मनोज वत्स ने किया। सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रानंदन सिंह की देखरेख में आयोजित इस अभ्यास में क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता एवं क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह की मौजूदगी में वालंटियरों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। मॉकड्रिल में फायर टीम, मेडिकल टीम, रेस्क्यू टीम के साथ एक आर्मी दल ने भी सहभागिता की। सभी टीमों ने आपदा प्रबंधन से जुड़ी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का अभ्यास कर वास्तविक परिस्थितियों से निपटने की तैयारी को परखा। नागरिक सुरक्षा बल के अधिकारियों ने बताया कि 23 जनवरी को प्रस्तावित ब्लैकआउट को लेकर यह समस्त बारीकियां बेहद महत्वपूर्ण थी, ताकि आपात स्थिति में प्रत्येक टीम और वालंटियर समन्वय के साथ प्रभावी भूमिका निभा सके। इस अवसर पर डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी, मोहित श्रीवास्तव, रियाजुल हक, आबिश इमाम सनी, सुशील मिश्रा, डॉ. अंजना सिंह, उर्वशी सिंह, अधिशासी अभियंता पवन कुमार सहित नागरिक सुरक्षा बल एवं जौनपुर पुलिस के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र द्वारा नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें किया नमन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र द्वारा नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने नेताजी के योगदानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी स्वतंत्रता संग्राम के महान नायक थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन कर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध सशक्त आंदोलन खड़ा किया और अपने ओजस्वी विचारों एवं अदम्य साहस से देशवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जागृत की। जिलाधिकारी ने कहा कि नेताजी का जीवन त्याग, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है। उनके विचार आज भी युवाओं एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणादायी हैं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नेताजी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों के निर्वहन का आह्वान किया।

नेताजी का योगदान स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है : प्रो . वंदना सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती एवं उत्तर प्रदेश दिवस2026 के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शुक्रवार को देश के नाम पदयात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यह पदयात्रा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार सरस्वती सदन से प्रारंभ होकर रोवर्सझ्रेंजर्स भवन में स्थापित नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा तक निकाली गई। संकाय भवन में विकसित उत्तर प्रदेश-विकसित भारत विषय पर रंगोली प्रतिओगिता का भी आयोजन किया गया। पदयात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह एवं एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर आलोक सिंह धर्मराज द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। राष्ट्रभक्ति के नारों और देशभक्ति गीतों के साथ निकली पदयात्रा से पूरा विश्वविद्यालय परिसर देशप्रेम से गूंज उठा। रोवर्स-रेंजर्स भवन पहुंचने पर सभी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का योगदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है। उनका त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर आलोक सिंह धर्मराज ने कहा कि नेताजी ने आजाद हिंद फौज के गठन के माध्यम से देशवासियों में राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत कर आजादी के संघर्ष को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। कार्यक्रम का समन्वय उत्तर प्रदेश दिवस 2026 के समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, सह-नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी एवं शशिकांत यादव रहे। यह आयोजन विश्वविद्यालय एनसीसी, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं रोवर्सझ्रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

डीएम ने किया विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यो का औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी सिरकोनी में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यो का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित कार्मिकों से अनमैप्ड मतदाताओं की मैपिंग, आज कितने अनमैप्ड मतदाताओ की मैपिंग हो गई है, कितने अनमैप्ड मतदाताओं की आज सुनवाई हुई है आदि के संबंध में जानकारी ली और निर्देशित किया कि जो मतदाता आज सुनवाई हेतु उपस्थित नहीं हुए हैं, उन्हें पुन सुनवाई हेतु तिथि दी जाए। इस दौरान उन्होंने बीएलओ नीलम चौबे जिन्होने आवंटित नोटिस को समय से तामिल करा दिया, 13 लोगो का साक्ष्य मिलान करा दिया गया, जिस पर जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा उनके कार्यों की सराहना करते हुए अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया गया और सभी कार्मिकों को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

निपुण मेला व मेगा पीटीएम का हुआ आयोजन

चिराना । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चिराना में विभागीय निदेर्शानुसार दिनांक 23 जनवरी 2026 को मेगा पीटीएम एवं पीईईओ स्तरीय निपुण मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ राजेंद्र कुमावत एवं विशिष्ट अतिथि रामदेव जांगिड़, रामावतार अग्रवाल, विनोद पारीक, प्रभातीलाल सैनी थे। इसमें राउमावि चिराना, पूर्वी ढ़हर एवं महात्मा गांधी विद्यालय चिराना के विद्यार्थियों द्वारा एफएलएन संबंधी टीएलएम सामग्री की स्टॉल्स लगाई गई एवं प्रदर्शनी की गई। डॉ राजेंद्र प्रसाद कुमावत द्वारा विद्यार्थियों के भाषाई कौशल विकास एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्नोत्तरी एवं वाक्य पुनरावृति प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रथम विभा कंवर,द्वितीय केशव सिंह,अंजू सैनी रामलाल को एवं अन्य को सांत्वना पुरस्कार डॉ राजेंद्र कुमावत द्वारा मोमेंटो प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर म्यूजिक चेयर ,चम्मच नींबू दौड़ प्रतियोगिताएं भी आयोजित करवाई गई तथा सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। राजबीर स्वामी, दिनेश कुमार सैनी, नरेंद्र कुमार शर्मा सहित सभी विद्यालयों का स्टाफ एवं अभिभावक उपस्थित रहे। पीईईओ एवं प्रधानाचार्य सुरभि गुप्ता ने निपुण मेले के सफल आयोजन हेतु सभी का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में सरस्वती पूजन हुआ

- जितेन्द्र कनौजिय

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के स्वामी विवेकानंद इंटरनेशनल स्कूल में मां सरस्वती जी की पूजा कराई गई 'मां सरस्वती जी' को ज्ञान की देवी कहा जाता है जिसे ब्रह्मा जी ने देवी से वीणा बजाने को कहा जैसे ही देवी ने वीणा बजाना शुरू किया, तब से पूरे संसार में एक मधुर ध्वनि फैल गई उस वीणा के मधुर ध्वनि से संसार के जीव - जंतुओं को वीणा प्राप्त हो गई । तब ब्रह्मा जी ने उस देवी को वीणा की देवी सरस्वती कहा है । मां सरस्वती की प्रतिलिपि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित प्रताप यादव ने माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया इसके बाद माता रानी सरस्वती जी की पूजा पाठ करके कार्यक्रम को सफल बनाया विद्यालय के उप प्रधानाचार्य राममिलन यादव ने सुभाष चंद्र बोस की तस्वीर पर माल्यार्पण करके जयंती मनाई गई कार्यक्रम में उपस्थित अध्यापक सऊद अंसारी, अध्यापिका ,पूनम सिंह, पूनम यादव, सलवा खान, सीमा कुमारी, मालती यादव, जन्नत अंसारी, सुनंदा निषाद आदि लोग सम्मिलित रहे।

भारत रत्न जननायक कपूरी के नाम का दुरुपयोग करने वालों से सावधान रहने की अपील

मुंबई। सामाजिक संस्था जननायक कपूरी ठाकुर सेवा समिति (रजि) के बैनर तले आगामी सोमवार 26 जनवरी 2026 को कल्याण शहर में भारत रत्न जननायक कपूरी ठाकुर जी की जयंती मनाई जा रही है।जबकि असंवैधानिक पदाधिकारियों की निगरानी में जयंती उनके नाम का दुरुपयोग करते हुए विवादित संस्था जननायक कपूरी ठाकुर सेवा समिति के नाम का उपयोग करते हुए किया जा रहा है जहां श्रद्धेय कपूरी ठाकुर जी के नाम पर व्यक्तिगत वर्चस्व कायम करने के उद्देश्य से आयोजन करने का प्राविधान है।महानगर के कवि एवं समाजसेवी विनय शर्मा दीप ने सभी शुभचिंतकों से निवेदन किया किया है कि श्रद्धेय भारत रत्न जननायक कपूरी ठाकुर की जयंती हर्षोल्लास के साथ शहर से लेकर देश के सभी प्रदेशों के प्रत्येक जिलों में मनाई जानी चाहिए जिससे समाज का गौरव तो बढ़ेगा साथ साथ जननायक जी की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आप जयंती संवैधानिक संस्था के आधीन या सार्वजनिक रुप से उनकी प्रतिमा रखकर मनाएं।दीप ने बताया कि कल्याण शहर में जयंती एक विवादित संस्था जननायक कपूरी ठाकुर सेवा समिति रजि. जो धमार्दाय आयुक्त मुंबई (चैरिटी कमिश्नर) के अधीन विचाराधीन है।जननायक कपूरी ठाकुर सेवा समिति संस्था के नाम का उपयोग कोई नहीं कर सकता किन्तु माननीय न्यायालय धमार्दाय आयुक्त मुंबई की अवहेलना करते हुए उक्त नाम के बैनर तले जयंती मनाई जा रही है जो न्याय विरुद्ध है।आप सभी से निवेदन है कि उचित निर्णय लेकर ही आप सभी समारोह में जाने का फैसला लीजिए।आप सभी को भविष्य में कुछ भी सामाजिक आवश्यकता पड़ती है तो यह संस्था और सलंग्न असंवैधानिक पदाधिकारी सिर्फ धन उगाही के नाम पर आपका शोषण करेंगे किन्तु जब आपकी कोई समस्या होगी तो उसका समाधान,न्याय लिगल रूप से आप सभी को नही दिला पाएंगे।ऐसे व्यक्तियों व संस्था के कार्यक्रम से सावधान रहें।न से संबंधित प्रश्नोत्तरी एवं वाक्य पुनरावृति प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रथम विभा कंवर,द्वितीय केशव सिंह,अंजू सैनी रामलाल को एवं अन्य को सांत्वना पुरस्कार डॉ राजेंद्र कुमावत द्वारा मोमेंटो प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर म्यूजिक चेयर ,चम्मच नींबू दौड़ प्रतियोगिताएं भी आयोजित करवाई गई तथा सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। राजबीर स्वामी, दिनेश कुमार सैनी, नरेंद्र कुमार शर्मा सहित सभी विद्यालयों का स्टाफ एवं अभिभावक उपस्थित रहे। पीईईओ एवं प्रधानाचार्य सुरभि गुप्ता ने निपुण मेले के सफल आयोजन हेतु सभी का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालक एवं बालिका वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 वॉलीबाल संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालक वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 02 से 05 फरवरी, 2026 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम लखनऊ में तथा प्रदेश स्तरीय सब-जूनियर बालिका वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 07 से 10 फरवरी, 2026 तक आगरा में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के सब जूनियर बालक एवं बालिका खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 27.01.2026 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित सब जूनियर बालक वॉलीबाल खिलाड़ी ही दिनांक 28 फरवरी, 2026 को तथा सब जूनियर बालिका वॉलीबाल खिलाड़ी दिनांक 30 जनवरी, 2026 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा, वाराणसी में प्रातः 10.00 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी जन्म प्रमाण एवं निवास प्रमाण पत्र के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र के साथ जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं।

शादी का झाँसा देकर दुष्कर्म करने वाला वाँछित गिरफ्तार

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण मे तथा थानाध्यक्ष खेतासराय के कुशल नेतृत्व में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-13/2026 धारा 69/115(2)/324(4) बीएनएस थाना खेतासराय जनपद जौनपुर में शादी का झाँसा देकर दुष्कर्म करने वाले नामित वाँछित आरोपी अभिनाश राजभर पुत्र परवीद राजभर निवासी पोरईखुर्द थाना खेतासराय, जनपद जौनपुर को दिनाँक 23.01.2026 को समय 08.30 बजे दिन में अमरेथुआ मोड से गिरफ्तार कर मुकदमा उपरोक्त में सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की विलादत पर सजी अकीदत की महफिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की विलादत के पावन अवसर पर खुटहन थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव स्थित रौजा-ए-इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम पर भव्य रूप से जश्ने सफीनतुननिजात का आयोजन किया गया। इस मौके पर अकीदतमंदों की बड़ी मौजूदगी के बीच पूरी फिजा इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की मोहब्बत और ज़िक्र से गूंज उठी। महफि ल की अध्यक्षता मौलाना शाजान जैदी ने की, जबकि हदीसे किसा की तिलावत मौलाना अहमद हसन खान द्वारा किया गया। उनके कलाम ने मौजूद श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। महफि ल को खिताब करते हुए हजरत मौलाना अम्बर अब्बास खान ने इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की पाक सीरत पर विस्तार से रोशनी डाली, उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की ज़िन्दगी इंसाफ, सब्र, कुबार्नी और हक के लिए डटकर खड़े होने का पैगाम देती है । उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के पदचिन्हों पर चलते हुए समाज में अमन, भाईचारा और इंसानियत को मजबूत करें ।महफि ल में शायरी का भी खास आयोजन रहा, जिसमें तनवीर जौनपुरी, फहमी इमामपुरी,रोमान इमामपुरी ,गुलफाम इमामपुरी ,अबुजर गौसपुरी, रेहान इमामपुरी, अर्शी इमामपुरी ,सलमान जौनपुरी, तालिब जौनपुरी, हसन जौनपुरी सहित अन्य शायरों ने बारगाहे इमाम में नजराना-ए-अक ीदत पेश कर माहौल को और भी रूहानी बना दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन अल्लामा बिलाल हसनैन ने किया, जिन्होंने पूरी महफिल को खूबसूरती के साथ आगे बढ़ाया। इस अवसर पर अली हैदर , कल्बे हसन ,शुजा साहब ,शबाब हैदर , मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद जफर, समर, शहनशाह हैदर सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। अंत में मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ के साथ महफि ल का समापन किया गया। महफिल के समापन पर आयोजक मोहहमद जफर एवं मोहम्मद अब्बास ने आये हुए मोमनीन का शुक्रिया अदा किया ।

मशहूर डॉक्टर एवं समाजसेवी सईद अख्तर का निधन, जनाजे में शामिल हुए परवेज आलम भुट्टो

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के मशहूर और मारूफ डॉक्टर तथा समाजसेवी डॉ. सईद अख्तर के निधन से पूरे जनपद में शोक की लहर दौड़ गई। उनके इंतकाल की खबर से चिकित्सा जगत के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी गहरा दुख व्याप्त है। डॉ. सईद अख्तर के जनाजे में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रत्याशी परवेज आलम भुट्टो शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. सईद अख्तर का जाना जौनपुर के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि दिवंगत डॉक्टर न सिर्फ.एक कुशल चिकित्सक थे, बल्कि एक सच्चे समाजसेवी भी थे, जिन्होंने हमेशा जरूरतमंदों की निस्वार्थ सेवा की। परवेज आलम भुट्टो ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की मगफि रत और परिजनों को सब्र अता करने की दुआ की। जनाजे में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, डॉक्टर, समाजसेवी और स्थानीय लोग मौजूद रहे, जिन्होंने नम आँखों से डॉ. सईद अख्तर को अंतिम विदाई दी।

छठ पूजा समिति करंजाड़े द्वारा माघी गणपति का आयोजन

नवीं मुंबई। पनवेल, छठ पूजा समिति ट्रस्ट करंजाडे द्वारा माघी गणपति का आयोजन 22 जनवरी गुरुवार को गणेश मंदिर (तालाब) करंजाड़े ,पनवेल में भव्य रूप से आयोजित किया। जिसमें सुबह स्थापना के साथ आरती,भजन कीर्तन शुरू हो गया था। जो शाम देर रात तक चलता रहा। दिन भर भक्तों को आना जाना लगा हुआ था। शाम को भक्तों की संख्या और ज्यादा हो गई। आयोजकों द्वारा महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया था जिसका लाभ भक्त जनों ने लिया। इस अवसर पर कई विशिष्ट महानुभावों ने भी गणपति बप्पा का दर्शन किये और प्रसाद ग्रहण किया। दर्शन करने वालों में मंगेश दादा सेलार-सरपंच, सागर भाई अंग्रे-उपसरपंच, रामेश्वर अंग्रे-पूर्व सरपंच करंजाड़े शिवसेना के रायगड जिला प्रमुख उत्तर भारतीय सेल- सी.पी. प्रजापति, खांदा कॉलोनी शहर प्रमुख उत्तर भारतीय सेल- प्रयाग साह, करंजाडे शहर प्रमुख मिरेंद्र सहारे ,करंजाडे महिला शहर प्रमुख अंजू सिंह, जिला परिषद उम्मीदवार -प्रीति सहारे, शाखा प्रमुख सेक्टर 6 दिनेश धमणस्कर, शाखा प्रमुख सेक्टर 5 अनिकेत चालके आदि ने गणपति बप्पा के दर्शन किए। आयोजकों में सत्यनारायण शर्मा अध्यक्ष, विनोद प्रसाद उपाध्यक्ष, अरविंद सिंह सचिव, संतोष ठाकुर उप सचिव, हरेंद्र शर्मा कोषाध्यक्ष, लक्ष्मण गुप्ता सलाहकार सहित कमेटी के सभी सदस्यों ने मेहनत किया।